● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 102, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार, 19 मई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

अखिलेश ने डिप्टी सीएम को पत्र लिख दिया जवाब 5

विराट कोहली को भारत रत्न दो : रैना 6

संग्रहालयों के तकनीकी उन्नयन से देश-दुनिया में प्रदेश की विशेष बनी है पहचान: डॉ. यादव

प्रसिध्द पुरातत्वविद पद्मश्री विष्णु श्रीधर वाकणकर के कार्यों और योगदान को समर्पित मैस्कॉट लोकार्पित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धरोहरों के प्रति युवाओं की रूचि विकसित करने के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए जानकारियों का आकर्षक रूप से प्रस्तुतिकरण आवश्यक है। धरोहरों के संरक्षण के लिए भी अद्यतन तकनीक का उपयोग जरूरी है। इस दृष्टि से राज्य संग्रहालय ने इमर्सिव एक्सपीरियंस सेंटर आरंभ करने का नवाचार समयानुकूल है। प्रदेश में स्मारकों और संग्रहालयों में दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। संग्रहालयों की समृद्ध परंपरा में मध्यप्रदेश जिस प्रकार से कार्य कर रहा है, उससे देश- दुनिया में प्रदेश की विशेष पहचान बनी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर राज्य संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इमर्सिव एक्सपीरियन्स सेंटर का लोकापर्ण किया तथा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में आयोजित कार्यक्रमों का भी वर्चुअल शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम बदलते दौर के भारत में रह रहे हैं। यह बदलाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है। संग्रहालय अब इतिहासकारों और शोधार्थियों के साथ-साथ जनसामान्य के लिए भी रूचि-आकर्षण और ज्ञानार्जन के केंद्र का रूप ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने राज्य संग्रहालय की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटकों के लिए अब भोपाल की यात्रा, राज्य संग्रहालय आए बिना अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा- उच्च शिक्षा और पर्यटन विकास निगम संयुक्त रूप से स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों के संग्रहालय भ्रमण का संभागवार क्रम बनाएं, इससे विद्यार्थी, प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ेंगे और राज्य संग्रहालय की खुबियों से अधिक से अधिक लोग परिचित हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने कहा कि प्रदेश के धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक केंद्रो को जन सामान्य से जोड़ने के लिए विभिन्न स्तरों पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश के प्रमुख नगरों के मुख्य प्रवेश मार्गों पर महापुरूषों को समर्पित द्वार विकसित किए जा रहे हैं। हमारे देवस्थान अभी तक केवल पूजा-पाठ के लिए जाने जाते थे। प्रदेश में निर्मित हुए महाकाल लोक सहित अन्य लोकों ने मंदिरों को आस्था, श्रद्धा के साथ-साथ लोक रुचि का भी स्वरूप प्रदान किया है । प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला, मुद्रा व्यवस्था सहित संपूर्ण जीवन पद्धति उन्नत स्वरूप में थी। नवीनतम तकनीक से इनके संरक्षण और प्रस्तुतीकरण से हमारी समृद्ध धरोहर को वर्तमान और आगामी पीढ़ी की रूचि के अनुकूल बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य संग्रहालय परिसर में आयोजित 'संग्रहालय मेला' के अंतर्गत पुरातत्व के संरक्षण और संवर्धन से संबंधित विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया।

आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते : शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उसके एयरबेस तबाह कर दिए।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सेनाओं के सम्मान में गुजरात के अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा की अगुवाई की। इस दौरान उमड़ी भीड़ के बीच अमित शाह राष्ट्र ध्वज थामे जुलूस के आगे चलते दिखे। गृह मंत्री तिरंगा थामे हुए नल सरोवर चौकड़ी से एकलिंगजी रोड पर महाराणा प्रताप चौक तक पैदल चले। यहां उन्होंने 16वीं सदी के महान योद्धा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पैदल मार्च में हिस्सा लेने वालों में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, स्थानीय विधायक, भाजपा नेता और कार्यकर्ता तथा यहां के शिक्षक और प्राथमिक एवं माध्यमिक विभागों के पदाधिकारी शामिल थे।

गुजरात भाजपा ने कहा कि यात्रा में साणंद और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग, सामाजिक और राजनीतिक नेता तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय के नारे लगाए तथा सशस्त्र बलों के साहस और वीरता को सलाम किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में भाजपा की ओर से सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है।

इससे पहले अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर आयोजित सहकारी महासम्मेलन में अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने के लिए कई अहम कदम उठाये हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही नए पैक्स के पंजीकरण के लिए नीति लाएगी।

सीजेआई ने दिया संविधान के सम्मान पर जोर

मुंबई। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने संविधान के सम्मान पर जोर दिया। बार काउंसिल महाराष्ट्र और गोवा की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह और अधिवक्ता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि न तो न्यायपालिका और न ही कार्यपालिका, बल्कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और इसके स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मुझे खुशी है कि देश न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर भी विकसित हुआ है और ऐसा करना जारी है। भारत का संविधान सर्वोच्च है और तीनों अंगों को संविधान के अनुसार काम करना है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश का बुनियादी ढांचा मजबूत है और संविधान के तीनों स्तंभ समान हैं। संविधान के सभी अंगों को एक-दूसरे के प्रति उचित सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति गवई द्वारा सुनाए गए 50 उल्लेखनीय निर्णयों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

सीजेआई बीआर गवई ने मुंबई में चैत्यभूमि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक का दौरा किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रधान न्यायाधीश बनने के बाद आज मेरी पहली महाराष्ट्र यात्रा है और आज मैं चैत्यभूमि में बाबा साहेब के स्मारक पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूं। मैं यहां बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा हमें दिए गए संविधान के अनुसार स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और एकता के मूल्यों को आगे बढ़ाने और संरक्षित करने के लिए बाबा साहेब का आशीर्वाद लेने आया हूं।

जस्टिस बीआर गवई 14 मई को भारत के प्रधान न्यायाधीश बने हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा। वह 23 दिसंबर को सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस बीआर गवई साल 2016 में नोटबंदी को लेकर दिए गए फैसले का हिस्सा रहे।

संसद रत्न से सम्मानित होंगे 17 सांसद

नई दिल्ली। संसद में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 17 सांसदों और 2 संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार संसद में सक्रियता, बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने और विधायी कामकाज में योगदान के आधार पर दिए जाते हैं। यह पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की तरफ से शुरू किया गया है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन जूरी कमेटी ने किया, जिसकी अध्यक्षता हंसराज अहीर, (राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष) ने की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार उन सांसदों को दिए जाते हैं जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए संसद में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के सम्मान में मंत्रि-परिषद की बैठक 20 मई को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अहिल्या बाई माता होल्कर का 300वां जयंती वर्ष पूरे हर्षोल्लास से मना रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन, स्वावलंबन, आत्म-निर्भरता और महिला कल्याण की मिसाल लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के पुण्य सम्मान में मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रि-परिषद की बैठक 20 मई को इंदौर शहर के राजवाड़ा में होगी। यह पहली बार होगा, जब मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक राजवाड़ा जैसे ऐतिहासिक स्थल पर होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में मंत्रि-परिषद की बैठक देवी अहिल्या बाई होल्कर के गौरवपूर्ण जीवन और उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक पुण्य अवसर होगा। उन्होंने कहा कि राजवाड़ा भवन का निर्माण कार्य श्रीमंत मल्हार राव जी होलकर महाराज द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसे लोकमाता अहिल्या बाई माता ने पूर्ण कराया था, उसी स्थल पर अब मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित कर उन्हें नमन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य की जनता के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तिथि अनुसार लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर का जयंती वर्ष, विवाह वर्षगांठ (20 मई) और महाराजा श्रीमंत मल्हार राव जी होल्कर की पुण्य-तिथि, ये तीनों सुयोग एक ही समय पर आ रहे हैं, जो इस आयोजन को और भी अधिक विशेष बनाते हैं।

सोलापुर में टेक्सटाइल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार तड़के एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग में आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल हैं। यह हादसा सोलापुर एमआईडीसी स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में सुबह करीब 3:45 बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। मृतकों में फैक्ट्री के मालिक हाजी उस्मान हसनभाई मंसूरी, उनके परिवार के तीन सदस्य, जिनमें उनका डेढ़ वर्षीय पोता भी शामिल है। अग्निकांड में मरने वालों में चार श्रमिक शामिल हैं।

जासूस ज्योति उगलने लगी राज

पहलगाम हमले से पहले गई थी पाकिस्तान, जट रंधावा कनेक्शन ने सबको चौंकाया

हिसार। जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा के हिसार की ज्योति मल्होत्रा को लेकर अब तरह तरह के खुलासे हो रहे हैं। कोर्ट ने शनिवार को ही उसे पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा और माना जा रहा था कि पूछताछ में कई तरह के खुलासे होंगे। इस कड़ी में अब एक नई बात सामने आ रही है। एसपी हिसार शशांक कुमार सावन ने बताया कि पाकिस्तान उसे एक एसेट की तरह विकसित कर रहा था। इसके अलावा ज्योति प्रायोजित यात्राओं पर पाकिस्तान जाती थी। वह पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तान में थी। पूछताछ में पता चला है कि उसके साथ कुछ और लोग भी शामिल थे, जिसके बारे में पता किया जा रहा है। तीन बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति को पहलगाम आतंकी घटना और ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी आईबी ने संदिग्धों की सूची में शामिल किया था।

लश्कर का टॉप कमांडर सैफुल्लाह पाकिस्तान में ढेर

इस्लामाबाद। आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान में ही एक के बाद एक आतंकियों की हत्या की जा रही है। अब लश्कर-ए-तैयबा के एक और टॉप कमांडर की पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी है। लश्कर-ए-तैयबा और जमात नेता रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मतली फालकारा चौक इलाके में मार दिया गया। कहा जा रहा है कि यहां अज्ञात हमलावरों ने दिन दहाड़े लश्कर के कमांडर को गोलियों से छलनी कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि रजाउल्ला को पाकिस्तान सरकार ने सुरक्षा भी मुहैया कराई हुई थी। वह रविवार दोपहर को सिंध के मतली स्थित अपने घर से कहीं जाने के लिए बाहर निकला था। एक क्रॉसिंग के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने रजाउल्ला की गोली मारकर हत्या कर दी। आरएसएस मुख्यालय पर हमले की साजिश रचने के अलावा रजाउल्ला 2005 में बंगलूरू में भारतीय विज्ञान संस्थान और 2001 में रामपुर में सीआरपीएफ शिविर पर हुए आतंकी हमले में भी शामिल था।

सैफुल्लाह लंबे समय तक नेपाल में फर्जी पहचान के साथ छिपकर रहा था और अपने नापाक मंसूबों को अंजाम दे रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों को सैउल्लाह के नेपाल में छिपे होने की जानकारी हुई तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया। फिलहाल वह मतली से अपनी गतिविधियां संचालित कर रहा था। वह मुख्य तौर पर लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा के लिए फंड जुटाने का काम करता था।

इन हमलों में सैफुल्लाह की अहम भूमिका

सैफुल्लाह को 2006 में नागपुर में आरएसएस मुख्यालय पर हुए हमले का मुख्य आरोपी बताया जाता है। इससे अलावा, उसे रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमले और 2005 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस बेंगलुरू में हमले का भी साजिशकर्ता बताया जाता है। दावा किया जा रहा है कि सैफुल्लाह लश्कर के ऑपरेशनल कमांडर आजम चीमा का सहयोगी था।

पाकिस्तान में पिछले कुछ महीनों के दौरान अज्ञात बंदूकधारी कई आतंकियों को मौत के घाट उतार चुके हैं।

सुप्रीम फैसले पर राष्ट्रपति के सवालों से स्टालिन नाराज

गैर भाजपा शासी राज्यों के सीएम को लिखा पत्र

चेन्नई। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सवाल उठाए हैं। इसे लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नाराजगी जताई है। अब सीएम स्टालिन ने गैर भाजपा शासित राज्यों के सीएम को पत्र लिखा है। सीएम स्टालिन ने पत्र में लिखा है कि राष्ट्रपति ने केंद्र सरकार की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार अधिकार का उपयोग करते हुए 13 मई 2025 को 14 प्रश्न उठाए हैं। इसमे किसी राज्य या फैसले का जिक्र नहीं है, लेकिन यह साफ है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल के मामले में की टिप्पणियों पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के संबंध में आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल मेरे ही नहीं बल्कि सभी राज्यों के लिए अहम है।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को दी बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की ओर से रविवार को नेशनल बैठक आयोजित की गई। इसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया। उन्हें आगे के कई कार्यक्रमों की जिम्मेदारी भी दी। साथ ही सावधानी बरतते हुए पार्टी को मजबूत बनाने की सलाह दी। बैठक में देश में बसपा के संगठन की मजबूती व सर्वसमाज के बीच जनाधार बढ़ाने पर गहन चर्चा हुई। पार्टी के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के लिए सभी ने भारतीय सेना की सराहना की।

प्रशांत किशोर का बड़ा दांव, नीतीश के राम पीके के साथ, आरसीपी सिंह जन सुराज में आए

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह ने जन सुराज की सदस्यता रविवार को ग्रहण कर ली। पिछले दिनों उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर अपनी नई पार्टी बनाई थी। रविवार को उन्होंने इस पार्टी का विलय प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज में कर दिया। भाजपा में आने के पहले रामचंद्र प्रसाद सिंह जदयू कोटे से केंद्र में मंत्री बने थे। माना जाता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मर्जी के खिलाफ तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ देने के कारण जदयू ने उनसे नाता तोड़ लिया था। बाद में जब नीतीश कुमार खुद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आए तो आरसीपी सिंह का भाजपा में रहना बेकार साबित हो रहा था। वह बिल्कुल किनारे पड़े थे। प्रशांत किशोर ने इस मौके का फायदा उठाया और उन्हें अपने साथ बुला लिया। आरसीपी सिंह ने बिहार में जनता दल यूनाइटेड के संगठन को खड़ा करने में बेहद अहम भूमिका निभाई थी और माना जा रहा है की पीके की नजर में यही खूबी उनके काम आएगी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरसीपी सिंह ने कहा कि मैंने अपनी पार्टी आसा (आप सब की आवाज) का विलय जन सुराज में कर दिया। मैं जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर का आभार जताता हूं।

हैदराबाद में चारमीनार के पास भीषण आग

आठ बच्चों समेत 17 की मौत, पीएम मोदी ने किया मुआवजे का एलान

हैदराबाद

तेलंगाना में ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हाउस की एक इमारत में रविवार को भीषण आग लग गई। हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में आठ मासूम बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के वक्त इमारत में 21 लोग थे। यहां एक निजी अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 17 लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। पीएमओ के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा कि तेलंगाना के हैदराबाद में आग लगने की घटना में हुई जानमाल की हानि से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 6.30 बजे एक फोन आया।

इसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान कई लोग बेहोश पाए गए। उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घटनास्थल का दौरा करने के बाद केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मीडिया से कहा कि पुलिस ने बताया कि आग दुर्घटना में कई लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कहा, आज चारमीनार के पास गुलजार हाउस की एक इमारत में शॉर्ट सर्किट की वजह से हुए हादसे में कुछ लोगों की मौत हो गई है और कुछ घायल हैं। यह घटना सुबह 6 बजे के आसपास हुई। ऐसी घटनाएं बहुत दुखद होती हैं। यहां के लोगों ने बताया कि दमकल विभाग के पास पूरे उपकरण नहीं थे। मैं केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री से बात करूंगा।

कांग्रेस सांसद अनिल कुमार यादव ने कहा, ... आग लगने की घटना में एक परिवार के 17 सदस्य फंस गए थे। अग्निशमन विभाग तुरंत यहां पहुंच गया। मुख्यमंत्री परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। पोन्नम प्रभाकर और हम सभी यहां बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। हम अब घायलों की जांच करने के लिए अस्पताल जा रहे हैं।

घटनास्थल पर मौजूद एआईएमआईएम के एक विधायक ने मीडिया को बताया कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार करीब 20 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। सीएमओ की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि घायलों को तुरंत अस्पतालों में भेजने और उचित चिकित्सा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती पर आयोजित होगी विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला

सिंगरौली। आगामी 31 मई को महान आत्मा पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 जन्म जयंती है। रानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन? एवं उनके राष्ट्र तथा भारतीय समाज एवं सनातन पंथ के लिए किये गये पुण्य प्रयासों को जन जन तक चरितार्थ करने के लिये भारतीय जनता पार्टी अखिल भारतीय स्तर पर कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला आयोजित कर रही है। ये समस्त कार्यक्रम 21 मई से 31 मई तक आयोजित होंगे।

शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार जिले मे भी इन कार्यक्रमों की पूरी श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मे इस संदर्भ मे विशेष बैठक का आयोजन हुआ। आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश प्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री एवं प्रभारी मंत्री सिंगरौली की गरिमामय उपस्थित रही । विशिष्ट अतिथि के रूप में पंचायत राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह, जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, विधायक सिंगरौली राम निवास शाह, विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम, विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, पूर्व जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता, गिरीश द्विवेदी, पूर्व विधायक सुभाष वर्मा, पूर्व महापौर प्रेमवती खैरवार, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट शिवम शुक्ला उपस्थित रहे तथा बैठक की अध्यक्षता कार्यक्रम के संयोजक तथा जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी ने की। जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर तथा पितृ पुरुषों के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम मे स्वास्थ्य उद्बोधन जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने समस्त अतिथियों तथा कार्यकर्ताओं का स्वागत किया तथा पूर्व दिवस आयोजित तिरंगा यात्रा की सफलता पर सभी को बधाई एवं साधुवाद दिया तथा तिरंगा यात्रा के आगमी कार्यक्रम को विधानसभा एवं मंडल स्थर तक ले जाने के निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष ने रानी अहिल्याबाई होलकर जयंती पर आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों के संदर्भ मे संक्षेप मे उल्लेख किया तथा पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होलकर जी के कृतित्व का वर्णन किया ।

अपने उद्बोधन मे प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह ने कहा कि पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर जी के व्यक्तित्व को सामान्य शब्दों मे समाहित नहीं किया जा सकता। महाराष्ट्र के सामान्य परिवार मे जन्म लेकर रिसासत की महारानी तक का उनका किरदार अविस्मरणीय है। भारत वर्ष के इतिहास मे पुण्य श्लोक की उपाधि धर्मराज युधिष्ठिर, राजा नंद के बाद लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को ही मिली है। उस समय मालवा के पेशवा मल्हार राव होलकर जी ने बाल्य रूप में अहिल्याबाई को देखा था और उनको अपनी बहू बनाकर मालवा ले आये थे।

अपने वक्तव्य मे मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ने कहा की हम रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती मना रहे हैं। अपने पति और पुत्र के निधन के बाद उन्होंने राज्य की बागडोर अपने हांथों में ली तथा मराठा साम्राज्य की राजधानी इंदौर को बनाया। वो राज्य का हर निर्णय भगवान शिव को साक्षी मानकर लेती थीं तथा राज्य और लोक कल्याण के लिए अनेकों सामाजिक कुरीतियों को बदला। उन्होंने विधवा विवाह, नारी शिक्षा, दहेज प्रता विरोधी, बाल विवाह विरोधी कानून बनाये तथा मातृ शक्ति को उसका सम्मान वापस किया। ऐसी शिव भक्तिनी रानी अहिल्याबाई होलकर ने भारत वर्ष भर मे आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट देवालयों तथा सप्त पुरियों का पुनर्निर्माण कराया तथा तीर्थ स्थलों की भव्यता स्थापित की। भारत वर्ष के इतिहास मे उनके जैसा शासक नहीं हुआ और न होगा। हमारी पार्टी उस दिव्यात्मा के सिद्धांतों को आत्मसात करना चाहती है तथा उनके द्वारा लोक कल्याणकारी शासन व्यवस्था को लागू करना चाहती है तथा उनके देवीय कृत्यों को जन-जन तक पहुंचाना चाहती है। इसलिए आप सभी इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तन्मयता से लगें। प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं से पूर्व आयोजित तिरंगा यात्रा को नगर नगर और ग्राम ग्राम तक पहुंचाने का आह्वान किया तथा राष्ट्र और सेना के प्रति अपनी निष्ठा को आत्मसात करने का आग्रह किया।

खुटार पुलिस चौकी क्षेत्र में तेजी से जोर पकड़ा हुआ है कबाड़ का व्यवसाय

पुलिस के सरंक्षण में चल रहा कारोबार, कबाड़ के आड़ में मशीनों के बेशकीमती पार्ट्स भी हो रहे पार

सिंगरौली। खुटार पुलिस चौकी क्षेत्र में इन दिनों कबाड़ सहित गोटी सट्टा एवं गांजा का कारोबार जोर पकड़ा हुआ है। चर्चा है कि पुलिस के संरक्षण में यह अवैध करोबार अब धीरे-धीरे व्यापक रूप ले लिया है।

जानकारी के मुताबिक खुटार पुलिस चौकी क्षेत्र में अवैध कारोबार तेजी से पनप रहा है। कबाड़ के साथ-साथ अन्य कारोबार गांजा एवं गोटी सट्टा भी खूब चल रहा है। हालांकि चौकी के ठीक बगल में संचालित कबाड़ का कारोबार लाईसेंसी हैं, ऐसा दावा किया जा रहा है। लेकिन इसके अलावा अन्य कारोबार गांजा भी जोर पकड़ा हुआ है। सूत्रों की बात माने तो मिश्री नामक व्यक्त पिपराझांपी एवं चितरबई कला गांव तक पहुंच बनाये हुये हैं। उधर बनौली तिराहा पर गोटी सट्टा का कारोबार तेजी से पनपा हुआ है। आरोप के साथ-साथ चर्चा है कि सोनी पर खुटार पुलिस मेहरवान है। गोटी सट्टा 100 से शुरू की जाती है और इसके बाद साल में फंसाने के बाद लोग हजारों रूपये हार-जीत पर लगा देते हैं। यहां के प्रबुद्ध नागरिको ने इस ओर आईजी का ध्यान आकृष्ट कराते हुये उक्त कारोबार पर रोक लगाये जाने की मांग की है।

सीवरेज लाइन में लापरवाही बनी जनता के लिए मुसीबत

सिंगरौली। जिले के नगर पालिक निगम क्षेत्र में चल रहे सीवरेज लाइन बिछाने के कार्य में भारी अनियमितताएं और लापरवाहियां उजागर हो रही हैं। गनियारी स्टेट बैंक के समीप घटित एक ताजा घटना ने प्रशासन की कार्यप्रणाली और जिम्मेदार अधिकारियों की निष्क्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना स्थल पर एक वाहन, सीवरेज लाइन की अधूरी और लापरवाही से की गई मरम्मत की वजह से गहरे गड्ढे में फंस गई। बताया जा रहा है कि सीवरेज पाइपलाइन डालने के बाद जिस जगह खुदाई की गई थी, उसे पूरी तरह से सीमेंट-कंक्रीट से भरना था, ताकि सड़क की सतह पूर्ववत सुचारु हो सके। लेकिन निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार और अभियंताओं ने महज खानापूर्ति करते हुए सतही मरम्मत की, जो एक बड़े हादसे का कारण बन गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस पूरे काम में न केवल गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है, बल्कि नियमों को भी खुलेआम ताक पर रखा गया है।

दो मोटरसाइकिल के भिड़ंत में एक युवक की मौत, तीन घायल

चितरंगी थाना क्षेत्र के तेंदुहा गांव में बीती मध्य रात हुआ हादसा

सिंगरौली। चितरंगी थाना क्षेत्र के ग्राम तेंदुहा में बीती रात भीषण सड़क हादसा में एक युवक की मौत हो गई। जबकि तीन युवक घायल हो गये। घायलों में दो युवक की हालत गंभीर होने पर सीएससी चितरंगी के चिकित्सकों ने वाराणसी बीएचयू के लिए रिफर कर दिया है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मृतक अपने अन्य साथी के साथ अपने ताई के शोक में शामिल होने पोड़ी गांव जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक ग्राम तेंदुहा निवासी पुष्पराज कोल पिता संतलाल कोल उम्र 18 वर्ष एवं लल्लू कोल निवासी तेंदुहा मोटरसाइकिल में सवार होकर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार संतलाल की ताई का अचानक देहांत हो गया था। दुखदाई खबर पाकर सुनकर शोक संवेदना में शामिल होने जा रहा था कि दो अन्य युवक अंकित जायसवाल, उदयराज जायसवाल पिता मुन्नू लाल निवासी पोड़ी मोटरसाइकिल से डीजल लेने पिपरवान छांदा आ रहे थे कि तेंदुहा में दोनों मोटरसाइकिलो में भिड़ंत हो गई। जिसमें पुष्पराज कोल की मौत हो गई। जबकि उक्त तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों में अंकित एवं उदयराज की हालत गंभीर होने पर चितरंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सको ने बीएचयू वाराणसी के लिए रिफर कर दिया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही चितरंगी पुलिस भी घटनास्थल पहुंच गई। शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

24 मई को होगा चार दिवसीय सिंगरौली महोत्सव कार्यक्रम का आगाज

आदित्य नारायण, रुपाली जग्गा, अभिजीत सावंत बिखेरेंगे जलवा

सिंगरौली। सिंगरौली महोत्सव के आयोजन पर छाये संकट के बादल टल गये हैं। कार्यक्रम अब नियत तिथि पर होगा। इस साल सिंगरौली महोत्सव में वॉलीवुड के जाने-माने गायक कलाकारों को प्रस्तुति देने के लिए बुलाया जा रहा है। जिसमें गायक आदित्य नारायण, रुपाली जग्गा, इंडियन ऑयडल विनर अभिजीत सावंत, अरुणिता कांजीलाल, नचिकेत लेले अपनी सुमधुर आवजा का जादू बिखेरेंगे। 24 मई से लेकर 27 मई तक आयोजित होने वाले महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को भी प्रस्तुति देने का मौका दिया जायेगा। वहीं कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा, जिसमें देश के जाने-माने कवियों को बुलाया जा रहा है। कवियों का नाम अभी फाइनल नहीं हो पाया है। माना जा रहा है कि एक दो दिन में कवियों की सूची फाइनल कर ली जायेगी।

चार दिवसीय सिंगरौली महोत्सव का आगाज 24 मई को होगा। पहले दिन गायक कलाकार आदित्य नारायण और रुपाली जग्गा प्रस्तुति देंगे। 25 मई को कवि सम्मेलन होगा। 26 मई को इंडियन आयडल विनर अभिजीत सावंत और उनकी टीम प्रस्तुति देगी। महोत्सव के समापन पर 27 मई को नचिकेत लेले और अरुणिता कांजीलाल प्रस्तुति देंगे। आयोजन के चारों दिन स्थानीय कलाकारों को भी प्रस्तुति देने का मौका दिया जायेगा।जिले की स्थापना दिवस पर हर साल आयोजित होने वाले सिंगरौली माहोत्सव को लेकर जोर-शोर से तैयारियां शुरु कर दी गई है। महोत्सव के सभी कार्यक्रम स्थानीय राजमाता चुनकुमारी स्टेडियम में आयोजित होंगे। पिछले साल लोकसभा चुनाव की अधिसूचना लागू होने के चलते महोत्सव का आयोजन नहीं हो पाया था। जिससे इस साल जिले के लोगों को उम्मीद है कि और भव्य आयोजन किया जायेगा।

एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर श्रमदान एवं हस्ताक्षर अभियान का किया गया आयोजन

सिंगरौली। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान हर दिन नई गति पकड़ रहा है और इस मुहिम में एनटीपीसी विन्ध्याचल अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहां चलाए जा रहे प्रभावशाली अभियानों ने न केवल समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित किया, बल्कि नागरिक जिम्मेदारी को भी मजबूती से स्थापित किया है। इसी क्रम मे एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अवसर पर श्रमदान एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया।

इस पहल का नेतृत्व ई.सत्य फणि कुमार, कार्यकारी निदेशक (विन्ध्याचल) ने किया। इस अवसर पर संजीब कुमार साहा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), डीके अग्रवाल, महाप्रबंधक (संविदा एवं सामग्री), राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (प्रचालन), एजे राजकुमार, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस व एडीएम) और राकेश अरोड़ा, प्रमुख मानव संसाधन (विन्ध्याचल) उपस्थित रहे। साथ

ही ज्ञान सिंह भाटी और भास्कर चौधरी (सहायक कमांडेंट्स, सीआईएसएफ) एवं उनकी टीम की सक्रिय भागीदारी ने इस सामूहिक संकल्प को और भी मजबूती प्रदान की।एकजुटता और उद्देश्य की भावना के साथ, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, सीआईएसएफ कर्मियों, यूनियन और एसोसिएशन प्रतिनिधियों ने अनुबंधित हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ मिलकर विंध्य चिकित्सालय परिसर की सफाई में श्रमदान किया। यह श्रमदान स्वच्छता के प्रति न केवल प्रत्यक्ष प्रतिबद्धता दर्शाता है, बल्कि उन कर्मचारियों के प्रति सम्मान भी व्यक्त करता है जो प्रतिदिन पर्दे के पीछे मेहनत करते हैं।इस अवसर पर वरिष्ठ प्रबंधन टीम ने उनके समर्पण और सेवा की सराहना करते हुए उन्हें हाइजीन किट भेंट कर सम्मानित भी किया, जो परियोजना की समावेशिता और आभार की संस्कृति को दर्शाता है।इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत जिम्मेदारी के संदेश को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए एक सिग्नेचर अभियान भी आयोजित किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने एक स्वच्छ और हरित भारत के लिए अपनी प्रतिबद्धता को हस्ताक्षर कर व्यक्त किया, जो सामाजिक बदलाव में व्यक्तिगत योगदान की शक्ति का प्रतीक है।

नवानगर थाना प्रभारी की सजकता से भकुआर गांव में हुई चोरी का सामान बरामद, चोर की तलाश जारी

सिंगरौली। जैसे जैसे गर्मी बढ़ रही चोरों का आतंक भी अब लगातार बढ़ते देखे जा रहा है और आये दिन किसी गांव तो किसी कालोनी में सेंधमारी कर लाखों के सामान व जेवरात पर चोर हाथ साफ करते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला 16 मई को दिनदहाड़े दोपहर में भकुआर निवासी सतीश पाण्डेय के यहां लाखों की चोरी हुई। जिसकी सूचना पीड़ित ने नवानगर थाने को दी गई। नवानगर थाने के टीआई ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वारदात को ट्रेस करने हेतु खोजी कुत्ता को लेकर 17 मई को सुबह गांव में आसपास के ठिकानों पर दबिश डालने हेतु दलबल के साथ निकले, इसी दरम्यान सतीश पाण्डेय द्वारा थाने को जानकारी दी गई कि 17 मई को जब वह सुबह सो कर उठे और अपने घर से बाहर निकले तो देखे कि चोरी गया सारा सामान घर के बाजू में एक कोने में छिपाकर रखा गया था। जिसकी सूचना तुरंत थाने को दी गई। नवानगर थाना के टीआई ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने चोरी गए समान की जप्ती सीएसपी विंध्यनगर के सामने की है। हलांकि इस चोरी में किसने यह चोरी कि और क्यों की है इसका पुलिस सुराग लगाने में लगी हुई है।

दुद्धीचुआ परियोजना में सुरक्षा अधिकारी वर्कशॉप से नीचे गिरा, हुई मौत

सिंगरौली। एनसीएल की दुद्धीचुआ माइंस में एक सुरक्षा अधिकारी वर्कशॉप के नीचे गिरने से मौत होने की खबर है। मिली जानकारी के मुताबिक अपनी ड्यूटी में तैनात सुरक्षा अधिकारी रूद्र प्रताप सिंह बघेल अपना कार्य कर रहे थे इसी दौरान वह वर्कशॉप के नीचे गिर गये जिससे उनकी मौत् हो गई। आरोप है कि वर्कशॉप में कार्य करते वक्त एनसीएल कर्मी द्वारा धक्का देने बताया जाता है जिससे उनकी मौत हुई है। जानकारी के अनुसार रूद प्रताप सिंह सिक्योरिटी अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। सूत्रों के अनुसार एनसीएल कर्मी एवं सिक्योरिटी ऑफिसर के बीच में किसी बात को लेकर देर रात हुआ था विवाद, आरोप है कि आक्रोशित होकर एनसीएल कर्मी ने सिक्योरिटी ऑफिसर को वर्कशॉप के पास से माइंस में दिया धक्का जिससे उनकी मौत् हो गई। इस घटना से एनसीएल के दुद्धीचुआ परियोजना में हड़कंप की स्थिति निर्मित् हो गई।

कोतवाली क्षेत्र में जगह-जगह खुली पैकारी, धड़ल्ले से हो रही शराब की अवैध बिक्री

आबकारी और पुलिस का ठेकेदार को मिला संरक्षण, फोटो वायरल के बाद ना जांच ना कोई कार्यवाही

सिंगरौली। कोतवाली क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है। जगह-जगह पैकारियां चल रही हैं। अवैध ठिकानों से खुलेआम शराब बेची जा रही है। आबकारी विभाग और पुलिस की अनदेखी से नगर से लेकर आसपास के गांवों तक शराब का अनाधिकृत कारोबार पूरे सबाव पर है। जिम्मेदारों की मिली भगत से लाइसेंसी ठेकेदार मनमानी पर उतारू हैं। साठगांठ से चल रहे खेल में पैकारियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सरकारी ठेके की दुकानों से हर घंटे शराब के खेप मोटर साइकिलो से पैकारी के लिए जा रही हैं। जिसका वीडियो और फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल होता है लेकिन जिम्मेदार

सुविधा शुल्क लेकर चुप्पी साधें है। कार्रवाई का शिकंजा नहीं कसने से बेखोफ होकर पैकारियां चलाई जा रही हैं। आसानी से अवैध शराब उपलब्ध होने के साथ क्षेत्र में अराजकता भी बढ़ रही है। नशे की लत वारदातों की वजह भी बन रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार आंख मूंदे बैठे हैं। क्षेत्रीय लोगों ने अवैध शराब के कारोबार पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। लोग पैकारियों पर तुरंत कार्रवाई और ठेकेदारों पर शिकंजा कसने की मांग कर रहे हैं।

क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार में ठेकेदार ही शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार शराब ठेकेदार लाइसेंस की आड़ में क्षेत्र में पैकारियों को संचालित कर रहे हैं। पैकारियों तक शराब की अवैध आपूर्ति की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में किराना और गोमतियों से भी शराब की अवैध बिक्री का खेल चल रहा है। ज्यादा मुनाफा कमाने की लालच में ठेकेदारों ने ही कई जगह पैकारियां खुलवाई हैं। लेकिन इन अवैध ठिकानों से आबकारी और पुलिस विभाग अनजान और बेखबर होने का ढोंग करते हैं। सूत्र बताते हैं कि आबकारी और पुलिस को हर महीने सुविधा शुल्क मिल जाता है, मजाल क्या की पुलिस के बीट प्रभारी से एक भी पैकारियां ओझल हो जाए।

न जांच, न कोई कार्रवाई

सरकारी शराब दुकानों से बाइक से कार्टून में शराब ले जाने का फोटो और वीडियो वायरल होता है लेकिन जिम्मेदार न कोई जांच करते और ना कोई कार्यवाही। जबकि शराब के अनाधिकृत कारोबार पर निगरानी की जिम्मेदारी आबकारी और पुलिस विभाग पर है। लेकिन दोनों ही विभाग ने क्षेत्र में संचालित पैकारियों पर आंख मूंद रखी है। अवैध शराब के ठिकानों पर ना छापेमारी की जा रही है, और ना ही जांच करके अनाधिकृत कार्य करने वालों पर शिकंजा कसने की कोशिश है। कुछ ठेकेदारों के संरक्षण और पुलिस, आबकारी अधिकारियों की अनदेखी से क्षेत्र में शराब की अवैध खरीद एवं बिक्री की छूट मिल गई है।

सरकारी दुकानों से बाइक से शराब ले जाने का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल होना शराब की अवैध कारोबार के फैलने का सबसे बड़ा सबूत है। बावजूद इसके

ना तो आबकारी विभाग और ना ही पुलिस विभाग सरकारी ठेकेदार पर कोई कार्यवाही नहीं करता। सूत्रों का दावा है कि शराब के अवैध कारोबार को आबकारी और पुलिस का संरक्षण है। चर्चा हैं अवैध शराब कारोबार के मुनाफे में आबकारी विभाग और पुलिस विभाग का भी हिस्सा रहता है। यही वजह है कि अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कोई कार्यवाही नहीं करता। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जगह-जगह खुल गई पैकारियों के कारण शराब आसानी से मिल रही है। युवाओं में शराब के नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

नि:शुल्क राशन के लिए ई-केवाईसी कराने 31 मई अंतिम मौका

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित होने वाले नि:शुल्क राशन प्राप्त करने वाले सभी पात्र हितग्राहियों को ई-केवाईसी कराने शासन द्वारा 31 मई 2025 तक अंतिम अवसर दिया गया है। इधर अधिकारियों को भी विभिन्न जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जारी आदेशानुसार ई-केवाईसी के लिए चलाए जा रहे अभियान को 31 मई तक प्रभावी रूप से चलाने अपर कलेक्टर को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अनुविभाग स्तर पर सभी अनुविभागीय अधिकारी नोडल अधिकारी रहेंगे तथा सहकारी समिति की दुकानें खुलवाने उपायुक्त सहकारिता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार स्वसहायता समूह द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकानों से कार्य कराने जिला समन्वयक आजीविका मिशन को निर्देशित किया गया है। सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को वार्ड प्रभारी को कार्य कराने ड्यूटी लगाई गई है। इसी के साथ ई-केवाईसी को पूर्ण कराने अनुविभागीय अधिकारी (समस्त), सहकारिता विस्तार अधिकारी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के पर्यवेक्षक को भ्रमण कर कार्य कराने जिम्मेदारी दी गई है।

उन्होंने बताया कि जिले में 1041065 हितग्राहियों में से 80.78 प्रतिशत के ई-केवाईसी हो चुकी है। 200072 हितग्राही के ई-केवाईसी शेष रह गये हैं। इनमें बच्चों वृद्धों के ई-केवाईसी मेरा ई-केवाईसी एप के माध्यम से किया जा रहा है। शेष हितग्राहियों को पीओएस मशीन से ई-केवाईसी कराना है। इसलिए ग्रामवार, वार्डवार, मोहल्लों में कैंप लगाए जा रहे हैं तथा घर-घर जाकर गठित दल ई-केवाईसी कर रहे हैं, जो हितग्राही मृत हो चुके हैं अथवा जिनकी शादी हो चुकी है अथवा जो पलायन कर गये हैं उनकी सूची विक्रेता तैयार करके पंचायत सचिव के द्वारा डिलीट करवाना है। सभी हितग्राहियों को अपना राशन प्राप्त करने 31 मई तक ई-केवाईसी कराना जरूरी, अन्यथा राशन बंद होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के आवेदन आमंत्रित

सीधी। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जिले के लिए शासन द्वारा भौतिक लक्ष्य आवंटित किया गया है। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत स्वरोजगार स्थापित कर स्वयं का व्यवसाय/सेवा/ उद्योग स्थापित करने वाले पात्र इच्छुक आवेदकों से एमपी ऑनलाइन के समस्त पोर्टल के माध्यम से ऋण आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आठवीं कक्षा उत्तीर्ण, उम्र 18 से 45 वर्ष के मध्य, मध्यप्रदेश का मूल निवासी व्यक्ति जो 50 हजार से 25 लाख तक के व्यवसाय/सर्विस क्षेत्र की गतिविधि तथा 50 हजार से 50 लाख तक उद्योग/विनिर्माण क्षेत्र की इकाई स्थापित करना चाहते हैं।

सरकारी डॉक्टर कर रहे प्राइवेट प्रैक्टिस, इलाज के लिए अस्पताल में भटक रहे मरीज

जिला अस्पताल में कब पूरी होगी डाक्टरों की कमी,स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल के बाहर डाक्टरों के प्रेक्टिस के नाम पर चल रहे निजी क्लीनिक पर कब रोक लगेगी और कब जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ सेवाएं मिलेंगी ? ये सवाल ऐसा है कि इसका उत्तर 22 साल से सत्ता में विराजमान भाजपा सरकार और उनके जनप्रतिनिधि नहीं दे पाए। ये वही जनप्रतिनिधि हैं जिनके द्वारा पोस्टर, फ्लैक्स और आमंत्रण पत्र में अपना नाम और फोटो न होने पर प्रशासन की ईंट से ईंट बजा दी जाती है लेकिन जिला अस्पताल कि बुनियादी सुविधा के लिए सबके मुँह में दही जम जाती है। कोई सत्ताधारी नेता ना कोई जनप्रतिनिधि बोलने को तैयार नहीं है, अब हाल ये है कि बीमार जिला अस्पताल की स्वास्थ व्यवस्था चौपट है, जहाँ अस्पताल में मरीजों की भरमार है पर इनके ईलाज के लिए डाक्टर नहीं है।

पंकज सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल में होने चाहिए 59 विशेषज्ञ डाक्टर पर वर्तमान स्थित में 14 डाक्टर हैं जो कि न के बराबर हैं, जो हैं भी वो भी खुद की क्लिनिक में प्रेक्टिस में व्यस्त हैं, अगर किसी मरीज के पास पैसे ना हों तो वो प्रायवेट क्लिनिक में कैसे इलाज करवाए। जहाँ 400 बेड का अस्पताल होने के बावजूद इस भीषण गर्मी में गंभीर मरीज का ईलाज के लिए अस्पताल में बने बरामदों में मरीज फर्श पर लेटकर बोतल और इंजेक्शन को लगवाने मजबूर हैं इससे भारी दुर्दशा क्या हो सकती है।

सवाल आज का नहीं 22 साल से भारतीय जनता पार्टी कि सरकार के तरफ जनता टक टकी लगाए निहार रही है कि अब सुधरेगी, अब सुधरेगी लेकिन कब सुधरेगी जिला अस्पताल कि स्वास्थ व्यवस्था ?

पंकज ने जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा पर समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। जिले की जनता अब और अपमान, लूट और मृत्यु बर्दाश्त नहीं करेगी।

आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से डेयरी व्यवसाय का सुनहरा अवसर

सीधी

पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना लागू की गई है। इस योजना में 75 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से दी जाती है। शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में देनी होती है। योजना में 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति अनुदान का भी लाभ दिया जाता है। योजना के लिए पशुपालक के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने पर उसी के अनुपात में कृषि भूमि का निर्धारण किया जाता है। योजना की एक इकाई में 5 भैंस होने पर 4 लाख 25 हजार रुपए तथा 5 शंकर नस्ल की गाय होने पर 3 लाख 82 हजार रुपए एवं देशी गाय होने पर 2 लाख 43 हजार 750 रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। 10 दुधारू पशुओं के होने पर 10 भैंसों में 8 लाख 40 हजार, शंकर गाय के लिए 7 लाख 51 हजार रुपए तथा 10 देशी गाय के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस योजना में सामान्य वर्ग के पशुपालक को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम एक लाख 25 हजार रुपए मार्जिन मनी सहायता के रूप में दिया जाता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को परियोजना लागत का 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख रुपए मार्जिन मनी के रूप में दिया जाता है। पशुपालन विभाग के माध्यम से प्रकरण बैंकों में भेजे जाते हैं। बैंक से प्रकरण स्वीकृत होने के बाद हितग्राही को इकाई लागत की राशि प्रदान की जाती है। इस योजना में इकाई लागत की 75 प्रतिशत राशि पर बैंक की कुल ऋण राशि में 5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अनुदान दिया जाता है। इसकी राशि अधिकतम 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष निर्धारित है।

फिल्म महारषि का प्रेरणादायक संदेश : किसानों के लिए उठाया गया कदम

सीधी। सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म महारषिसिर्फ एक मनोरंजक कहानी नहीं, बल्कि एक समाज को जागरूक करने वाला संदेश है। फिल्म में दिखाया गया है कि असली सफलता तब है जब हम अपने समाज और देश के लिए कुछ अच्छा करें।

फिल्म की एक छोटी कहानी दर्शकों को भावुक कर देती है। एक बुजुर्ग किसान, जिसकी जमीन कई सालों से सूखी पड़ी थी, अचानक तब खुश हो उठता है जब कुछ शहर के युवा वीकेंड फार्मिंग के तहत उसकी मदद करने आते हैं। किसान की आँखों में आँसू आ जाते हैं और वह कहता है महारषिका संदेश साफ है= किसान हमारे असली नायक हैं, और हमें उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए।

महारषिएक प्रेरणादायक तेलुगु फिल्म है जिसमेंमहेश बाबूमुख्य भूमिका में हैं। फिल्म एक ऐसे युवकऋषि कुमारकी कहानी है, जो मध्यमवर्गीय परिवार से निकलकर अमेरिका में एक बहुत बड़ा कॉर्पोरेट सीईओ बनता है। उसकी ज़िंदगी में सब कुछ है – पैसा, सफलता और प्रतिष्ठा।

लेकिन उसकी ज़िंदगी तब बदल जाती है जब वह अपने कॉलेज के पुराने दोस्तरविकी हालत देखता है, जो गाँव में रहकर किसानों की मदद कर रहा होता है और भ्रष्ट व्यवस्था से लड़ रहा होता है। रवि की संघर्ष भरी कहानी ऋषि को झकझोर देती है।

ऋषि वापस भारत आता है और रवि के गाँव में जाकरकिसानों की समस्याएं, भू-संपत्ति विवाद और जल संकट को करीब से समझता है। वह वीकेंड फार्मिंग% नाम की एक मुहिम शुरू करता है, जहाँ शहर के लोग सप्ताहांत में गाँव जाकर खेती में मदद करते हैं।

फिल्म दिखाती है कि एक इंसान, जो पूरी दुनिया में सफल हो सकता है, वह जब अपने देश और समाज के लिए खड़ा होता है, तभी वह महारषि – यानी सच्चा ज्ञानी और नेता बनता है।

महर्षि (अनुवाद= महान ऋषि) 2019 की भारतीय तेलुगु-भाषा की एक्शन ड्रामा फ़िल्म है जिसका निर्देशन और सह-लेखन वामशी पेडिपल्ली ने किया है और इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस, वैजयंती मूवीज़ और पीवीपी सिनेमा ने किया है। इसमें महेश बाबू के साथ-साथ अल्लारी नरेश, पूजा हेगड़े, जगपति बाबू, प्रकाश राज, जयसुधा, राव रमेश, वेनेला किशोर, साई कुमार, कमल कामराजू और मीनाक्षी दीक्षित जैसे कलाकार हैं। संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है। फ़िल्म 9 मई 2019 को रिलीज़ हुई थी।

बच्चों को परिचर्चा के दौरान फिल्म के मुख्य उदेशों को बताया गया जैसे हमेकिसानों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि वो किशन ही है जिनकी वजह से हुम आज अन्न ग्रहण कर पा रहे है बच्चों को साथ में यह भी बताया गया की सफलता का मतलब समाज को कुछ लौटानाहोता है और यदि युवा शक्ति अगर सही दिशा में लगे, तो बदलाव संभव है ।

युवा संगम- रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 20 मई को

सीधी। जिला रोजगार अधिकारी जिला रोजगार कार्यालय ने जानकारी देकर बताया कि जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को एक ही छत के नीचे रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, आई.टी.आई. एवं जिला रोजगार कार्यालय सीधी द्वारा दिनांक 20 मई 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सीधी के परिसर में समय 11 बजे से 03 बजे तक एक दिवसीय ''युवा संगम'' संयुक्त रूप से रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश/प्रदेश एवं स्थानीय स्तर से निजी क्षेत्र की कंपनियॉ भाग ले रही हैं।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन 19 मई को

शहडोल। श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रवेश प्रकिया कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल पर होगी। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के पंजीकृत श्रमिक एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्य श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में एक वर्षीय एवं दो वर्षीय व्यवसाय में नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 222.स्रह्मस्र.द्ब्श्च.द्द्1.द्बठ्ठ पर पंजीयन 31 मई 2025 तक कर सकते हैं। इस संस्था में संचालित ट्रेड तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीरियरिंग असिस्टेंट दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसी प्रकार फैशन डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाईन एण्ड डेकोरेशन, आईओटी स्मार्ट सिटी, वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। इन व्यवसायों में वेल्डर के लिए प्रवेश योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी सात पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

आरटीई अंतर्गत अशासकीय शालाओं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 21 मई

सीधी

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देकर बताया कि नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1) (ग) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2025-26 की कार्यवाही दिनांक 07.05.2025 से प्रारंभ है। प्रवेश हेतु पात्र इच्छुक आवेदक अपने ग्राम/वार्ड, पड़ोस तथा विस्तारित पड़ोस के गैर अनुदान मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों में पोर्टल पर कक्षावार प्रदर्शित स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश हेतु अपने समग्र आई.डी. एवं आधार सत्यापन करके आनलाइन दिनांक 21.05.2025 तक दर्ज कर सकेंगे। आवेदन के पश्चात दिनांक 23.05. 2025 तक निर्धारित सत्यापन केन्द्र (जिले के समस्त जन शिक्षा केन्द्रों) पर मूल दस्तावेजों से सत्यापन कराया जाना अनिवार्य है। सत्यापन उपरांत पात्र पाये गये आवेदकों को आनलाइन लॉटरी के माध्यम से अशासकीय स्कूल का आवंटन किया जायेगा। आवेदकों द्वारा नि:शुल्क प्रवेश हेतु अपना आवेदन पत्र आर.टी.ई. पोर्टल तजमचवतजंस.उच.हवअ.पद पर दर्ज किया जा सकेगा। एक आवेदक केवल एक ही आनलाइन आवेदन करने हेतु पात्र होगा। आनलाइन आवेदन में कम से तीन स्कूलों को विकल्प के रूप में दर्ज करना होगा एवं अधिकतम 10 स्कूलों का चयन किया जा सकता है। स्कूलों का चयन करते समय आवेदक अपने प्राथमिकता को भलीभाँति सुनिश्चित करने के उपरांत ही अपना आवेदन पोर्टल पर लॉक करें। आवेदन फार्म के साथ आरक्षित कोटा से संबंधित दस्तावेज स्केन पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। आनलाइन आवेदन पश्चात दस्तावेजों के परीक्षण के समय मूल दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा। दर्ज जानकारी तथा मूल दस्तावेज में अंतर पाए जाने पर अपात्र किया जायेगा।

सबीना खान के जीवन में आशा की नई किरण लेकर आई है लाड़ली बहना योजना

शहडोल

प्रदेश सरकार व्दारा प्रदेश की बहनों को आर्थिक, सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से सशक्त बनाकर आत्म निर्भर बनाने हेतु शुरू की गई लाडली बहना योजना उनके जीवन में मील का पत्थर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में स्वाभिमान का संचार कर रही है। यह योजना हम जैसी जरूरतमंद महिलाओं के जीवन में आशा की नई किरण लेकर आई है। संभागीय मुख्यालय शहडोल की रहनी वाली सबीना खान को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रूपये प्रतिमाह प्राप्त हो रहे है। उन्होंने ने बताया कि मुख्य मंत्री लाडली बहना योजना के तहत खातें मे प्रतिमाह 1250 रूपये रूपये अंतरित हो रहे है। इस राशि का उपयोग घर के संचालन, बच्चों की पढ़ाई में कर रहे है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम लाड़ली बहना योजना ने किया है । उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत हर माह मिलने वाली धनराशि घर की छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में मदद करती है। इसके लिए मैं एवं मेरा पूरा परिवार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद ज्ञापित करता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत दिए गए लक्ष्यों को करें पूर्ण : कलेक्टर

शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रदेश सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जो कार्य कार्य योजना में सम्मिलित हैं लेकिन अभी तक शुरू नहीं किए गए हैं। उन कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ कराया जाए जिससे वर्षा के पूर्व वे कार्य पूर्ण हो जाएं। आपने यह भी निर्देश दिए कि जो कार्य शुरू किए जा रहे हैं, कार्य प्रारम्भ समय की फोटोग्राफ तथा वीडियो एवं कार्य के मध्य की फोटोग्राफ एवं वीडियो तथा कार्य पूर्ण होने के पश्चात के फोटोग्राफ एवं वीडियो तैयार किए जाएं तथा जल गंगा संवर्धन अभियान ग्रुप शहडोल में भी साझा किए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि जिले में जो भी जीवित नदी, नाले एवं झरने हैं और वहां से पानी व्यर्थ में बहकर जा रहा है, उनमें उपयुक्त स्थल का चयन कर बोरी बंधान का कार्य किए जाए। ऐसा करने से जहां जल स्तर बढ़ेगा वहीं पशु-पक्षियों को पीने के लिए ग्रीष्मकाल में पानी उपलब्ध हो सकेगा, साथ ही सब्जी-भाजी उगाने तथा मानव उपयोग में भी इस पानी का बेहतर उपयोग हो सकेगा। आपने कहा कि जिले में खेत-तालाब, निर्मल नीर, बलराम तालाब, कुओं एवं बावड़ियों की सफाई तथा जीणोद्धार के कार्य समाज के सहयोग से संचालित किए जाएं। वर्तमान में पुराने तालाबों के जीर्णोद्धार, पुष्कर तालाबों का जीर्णोद्धार तथा अमृत सरोवरों के निर्माण के कार्य भी जन सहयोग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। इन सभी कार्यों को वर्षा के पूर्व अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

गर्मी के दृष्टिगत लू की संभावना से बचाव और उपचार

शहडोल। जिले में वर्तमान परिस्थिति में अत्याधिक गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे शुष्क वातावरण में लू (तापघात) की संभावना जानलेवा हो सकती है। जिसके लिए आम जन को लू (तापघात) से बचाव संबंधी दिशा निर्देश जारी किए गए है।

लू से बचाव के लिए क्या करें- गर्मी के दिनों में धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के डील सूती वस्त्रों का प्रयोग करें। भोजन करके एवं पानी पीकर ही बाहर निकले। गर्मी के मौसम में गर्दन के पिछले भाग, कान व सिर को गमछे या तौलिये से ढंककर ही धूप में निकले। रंगीन चश्मे व छतरी का प्रयोग करें। गर्मी में हमेशा पानी अधिक मात्रा में पीएँ एवं पेय पदार्थों का अधिक से अधिक मात्रा में सेवन करें। बाहर जाते समय अपने साथ पानी रखें। गर्मी के दिनों में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। बच्चों को सिखायें कि जब भी उन्हें अधिक गर्मी महसूस हो तो वे तुरंत घर के अंदर आये। गर्मी के दिनों में बुजुर्गों का भी विशेष ध्यान रखें। उन्हें धूप में घर से बाहर न निकलने दें व उन्हें समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें एवं सुपाच्य भोजन तथा तरल पदार्थों का सेवन करवाये। गर्मी के दिनों में ठण्डे मौसमी फलों का सेवन करें। गर्मी के दिनों में तीव्र धूप को अदर आने से रोके। जहाँ तक संभव हो, ज्यादा समय तक धूप में खड़े होकर व्यायाम मेहनत एवं अन्य कार्य न करें। बहुत अधिक भीड, गर्म घुटन भरे कमरों में ना जायें। रेल, बस आदि की यात्रा गर्मी के मौसम में अतिआवश्यक होने पर ही करें। बच्चों एवं बुजुर्गों को दिन के सबसे गर्म समय जैसे दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर की गतिविधियों में शामिल ना होने दें। धूप में बच्चों और पालतू जानवरों को गाडी में अकेला न छोडे। धूप में नंगे पाँव न चले। चाय कॉफी अत्यधिक मीठे पदार्थ व गैस वाले पेय पादाथों का सेवन न करें।

लू लगने के लक्षण- गर्म लाल और सूखी त्वचा होना, शरीर का तापमान से 40 सेल्सियस या 104 फॉरेनाइट से अधिक होना, मतली या उल्टी, बहुत तेज सिर दर्द होना, मांशपेशियों में कमजोरी या ऐठन,सांस फूलना या दिल की धड़कन तेज होना, घबराहट होना, चक्कर आना, बेहोशी और हल्का सिरदर्द होना आदि

लू तापघात से प्रभावित व्यक्ति के प्राथमिक उपचार के तरीके- रोगी को तुरंत छायादार जगह पर, कपडे ढीले कर लिटा दें एवं हवा करें, रोगी के बेहोश होने की स्थिति में कोई भी भोज्य एवं पेय पदार्थ ना दे एवं तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त: करें, रोगी के होश में आने की दशा में उसे ठण्डे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल एवं कच्चा आम का सर्वत (पना) आदि दें।

रोगी के शरीर का ताप कम करने के लिये यदि संभव हो तो उसे ठण्डे पानी से स्नान करायें या उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियां रखकर पूरे शरीर को ढक दें। इस प्रक्रिया को तब तक दोहरायें जब तक की शरीर का ताप कम नहीं हो जाता है।

चिकित्सा संस्था में लू की स्थिति के लिए तैयारी- जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में गर्मी शुरू होने से पहले निम्न आवश्यकताएं सुनिश्चित करने जिसमें गर्भवती महिला एवं सभी मरीज व उनके परिजनों के लिए छांव में बैठने की व्यवस्था अस्पताल द्वारा सुनिश्चित करें, लू (तापघात) से प्रभावित रोगियों के लिये बिस्तर की व्यवस्था सुनिश्चित करें, थर्मामीटर, ग्लूकोमीटर एंड स्ट्रिप, आइस पैक एवं बी.पी. मापने के उपकरण उपलब्धता सुनिश्चित करें, ई.सी.जी. उपकरण (ईसीजी मशीन, जेल ई.सी.जी पेपर, इलेक्ट्रोड) की व्यवस्था, दवाइयां जैसे ओआरएस, फ्लूइड्स, ठंडे पानी की व्यवस्था, लू के रोगी के लिए बर्फ पैकेट एवं ठंडे पानी की एंबुलेंस में व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

संपादकीय

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने की युक्तियां चीन सदा से खोजता रहता है। अरुणाचल को वह अपना हिस्सा बताता रहा है। उसके सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा लांघने का प्रयास करते हैं। इस वजह से कई मौकों पर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ जाता है। करीब पांच वर्ष पहले उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच उसने अरुणाचल की कुछ जगहों के नाम बदल कर यह जताने का प्रयास किया कि वे उसका हिस्सा हैं। 2017 में उसने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नए नाम की सूची जारी की थी।उसके बाद 2021 में पंद्रह स्थानों वाली दूसरी सूची और 2023 में ग्यारह अतिरिक्त स्थानों के नाम वाली एक और सूची जारी की थी। पिछले महीने तीस स्थानों के नाम बदल कर उसने एक और सूची जारी कर दी। अब कुछ और जगहों के नाम बदल दिए हैं। उसकी इस हरकत पर हर बार भारत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी जाती रही है, फिर भी वह अपनी चालबाजी से बाज नहीं आता। भारत ने फिर दोहराया है कि अरुणाचल हमेशा से भारत का अंग रहा है और रहेगा। नाम बदल देने से कोई जगह किसी और की नहीं हो जाती। हालांकि भारत और चीन की सीमारेखा बहुत पहले से चिह्नित है, मगर चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत उसे मानने से इनकार करता रहा है। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की कोशिश करता रहा है। मगर भारत की सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ के चलते उसे कामयाबी नहीं मिल पाती। अभी आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने का अभियान चलाया, तब भी चीन उसके समर्थन में उतर आया। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत चली महज चार दिनों की कार्रवाई के बाद संघर्ष विराम होने को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा है। बड़े वर्ग का मानना है कि पाकिस्तानी उकसावे के बाद जारी भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान की गर्दन भारतीय पैरों के नीचे आ गई थी। लिहाजा जरूरी था कि उसकी कमर तोड़ दी जाए। भारत के एक बड़े वर्ग को उम्मीद थी कि मौजूदा कार्रवाई के जरिए पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी भारत का हिस्सा होगा। बहुत लोगों तो लगता था कि अगर ऑपरेशन सिंदूर जारी रहता तो बलूचिस्तान के लिए पाकिस्तान से अलग होने की राह आसान हो जाती।

ऑपरेशन सिंदूर से बदली नीतियों का वैश्विक संकेत

(उमेश चतुर्वेदी)

ऑपरेशन सिंदूर के तहत चली महज चार दिनों की कार्रवाई के बाद संघर्ष विराम होने को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा है। बड़े वर्ग का मानना है कि पाकिस्तानी उकसावे के बाद जारी भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान की गर्दन भारतीय पैरों के नीचे आ गई थी।

बीती छह मई की देर रात को पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर गरजती मिसाइलों ने दुनिया को कई संदेश दिए हैं। भारतीय कार्रवाई का पहला संदेश यह है कि अब ना सिर्फ भारत, बल्कि उसकी विदेश नीति भी बदल चुकी है। अब अगर भारत का बेगुनाह खून बहेगा तो खून बहाने वाले नापाक हाथों को भारत कहीं से भी ढूंढ निकालेगा और उसकी कब्र खोदने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। पाकिस्तानी हमले के सफल प्रतिकार ने स्वदेशी हथियार तकनीक की खुद-ब-खुद ब्रांडिंग हो गई। पहलगाम के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद भारतीय राजनीति और राजनय को देखने का दुनिया का नजरिया बदलना तय है।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत चली महज चार दिनों की कार्रवाई के बाद संघर्ष विराम होने को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा है। बड़े वर्ग का मानना है कि पाकिस्तानी उकसावे के बाद जारी भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान की गर्दन भारतीय पैरों के नीचे आ गई थी। लिहाजा जरूरी था कि उसकी कमर तोड़ दी जाए। भारत के एक बड़े वर्ग को उम्मीद थी कि मौजूदा कार्रवाई के जरिए पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी भारत का हिस्सा होगा। बहुत लोगों तो लगता था कि अगर ऑपरेशन सिंदूर जारी रहता तो बलूचिस्तान के लिए पाकिस्तान से अलग होने की राह आसान हो जाती। इस लिहाज देखें तो भारत का लोकमानस पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के पक्ष में था या कह सकते हैं कि अब भी है। लेकिन ध्यान रखना होगा कि युद्ध कभी-भी जनमत के दबाव में लड़े जाते। आधुनिक दौर में जब लड़ाई और हथियारों में तकनीक की पहुंच और पैठ बढ़ी है, सिर्फ जनमत के दबाव में युद्ध लड़ना ताकतवर से ताकतवर देश के लिए संभव नहीं। इस बीच संघर्ष विराम पर राष्ट्रपति ट्रंप के उतावले दावों ने संघर्ष विराम की हकीकत की जिज्ञासा बढ़ा दी है। लोग यह जानने के लिए उतावले हैं कि संघर्ष विराम की असल वजह आखिर क्या है? वैसे ऐसी संवेदनशील जानकारियां शायद ही कभी बाहर आ पाती हैं। इसलिए संघर्ष विराम के पीछे की असलियत को आने वाला इतिहास ही जान पाएगा।

जिस तरह पाकिस्तान के एयरबेस समेत तमाम सैनिक ठिकानों को भारतीय सेना ने निशाना बनाया है, उससे बिलबिलाकर वह अमेरिका की शरण में पहुंचा और युद्ध विराम कराने के लिए गुहार लगाने लगा। यह जानकारी कुछ अमेरिकी अखबारों के पन्नों पर आ चुकी है। बहरहाल ऑपरेशन सिंदूर ने संदेश दिया है कि अब भारत रणनीति के तहत जवाब नहीं देगा, बल्कि अपने नागरिकों पर हमले, संप्रभुता और अखंडता पर चोट की हालत में वह निर्णायक कार्रवाई करेगा। इस ऑपरेशन ने एक लक्ष्मण रेखा खींच दी है, जिसे नजरंदाज करना पाकिस्तान के लिए अब संभव नहीं होगा। उसे अब पता चल गया है कि राजनीति और सेना पोषित आतंकवाद और आतंक की नीति को सीधा और करारा जवाब मिलेगा।

भारत पिछले करीब साढ़े चार दशक से आतंकवाद को झेल रहा है। पाकिस्तान पहले पंजाब को आतंकवादी आग से झुलसाता रहा तो बाद के दिनों में जम्मू-कश्मीर में खून बहाता रहा। पाक परस्त आतंकी अगर भारतीय संसद, वाराणसी, जयपुर, मुंबई आदि जगहों पर बेगुनाह खून बहाने में कामयाब रहे तो इसकी बड़ी वजह रही पाकिस्तान की आतंकवाद केंद्रित नीति। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने संदेश दिया है कि अब यह नीति नहीं चलेगी। इस बार आतंकवादियों और उनके सरपरस्तों को जिस तरह भारत ने सफल निशाना बनाया, उसके बाद अब आतंकी कार्रवाई करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे। अब उन्हें सोचना होगा कि आतंक फैलाकर वे दूसरे देश की सीमा में जाकर चैन से नहीं रह पाएंगे। भारत की सेना उन्हें उनके घर में ही मारेगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में दो-तीन बड़ी बातें कहीं। पहला यह कि खून और पानी साथ नहीं बहेगा। यानी सिंधु जल समझौता स्थगित ही रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टेरर यानी आतंक और ट्रेड यानी कारोबार एक साथ नहीं चलेगा। यानी आतंक फैलाने वाले देशों के साथ भारत ना तो कारोबार करेगा और न ही उन्हें कोई विशेष दर्जा देगा। सवाल यह है कि भारत की इस बदली नीति की वजह क्या है? भारत की इस बदली नीति की वजह है, उसकी बढ़ती आर्थिक ताकत। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के लिहाज से भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। जल्द ही जापान की अर्थव्यवस्था को वह पीछे छोड़ देगा। भारत की स्वदेशी हथियार तकनीक, चाहे आकाश मिसाइल हो या रूस के सहयोग से विकसित ब्रह्मोस, उन्होंने अपनी अचूक मारक क्षमता दिखाई है। एक तरफ देश आर्थिक ताकत बढ़ाता जा रहा है तो दूसरी तरफ सैनिक ताकत भी बढ़ रही है। शांति के लिए मजबूत आर्थिक और सैनिक ताकत जरूरी होती है। कहना न होगा कि आर्थिक और सामरिक ताकत की वजह से भारत अपनी नीति बदलता हुआ दिख रहा है। भारत की अब तक की घोषित नीति रही है कि वह किसी दूसरे देश के मामले में न हस्तक्षेप करेगा और न ही किसी दूसरे देश का हस्तक्षेप मंजूर करेगा। ऑपरेशन सिंदूर इस नीति में बदलाव का वाहक बनकर आया है। अब तक भारत आतंक के खिलाफ विदेशी धरती पर कार्रवाई के लिए विदेशी ताकतों पर निर्भरत रहता है।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दिखाया है कि अब वह अपनी जनता की रक्षा के लिए किसी की इजाजत का इंतजार नहीं करेगा। इस ऑपरेशन के जरिए भारत ने दुनिया को संदेश दिया है कि अब आतंकी और उसके मास्टरमाइंड कहीं नहीं छिप सकते। भारत उन्हें खोज निकालेगा और उन्हें उनके किए की सजा के तहत अंजाम पर पहुंचाएगा। महिलाओं के माथे का सिंदूर मिटाने वाले आतंकियों को मिटाने के लिए चले ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखाया है कि अगर पाकिस्तान आतंकी कार्रवाई के खिलाफ जवाबी हमला करेगा तो उस ना सिर्फ हमला माना जाएगा,बल्कि उसे करारा जवाब भी दिया जाएगा।

आजादी के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के रिश्तों के बीच कश्मीर बड़ा मुद्दा रहा है। पाकिस्तान हर संभव मंचों, अंतरराष्ट्रीय बिरादरी आदि के सामने कश्मीर राग अलापता रहा है और इसके जरिए जरूरी सहयोग और संसाधन भी हासिल करता रहा है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि अब तक भारत-पाक के बीच कश्मीर का नैरेटिव हावी रहा है, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। अब भारत-पाक के बीच कश्मीर की बजाय आतंक बड़ा नैरेटिव बनकर उभरा है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री का यह कहना कि अब पाकिस्तान से सिर्फ आतंक और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर बात होगी, भारत की इसी बदली नीति का स्पष्ट संकेत है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान भी भारत ने सीमित कार्रवाई की और संयम का परिचय दिया। ये कार्रवाइयां पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही हुईं। चूंकि भारत का समूचे कश्मीर पर दावा है, लिहाजा इन कार्रवाइयों में यह भी संकेत रहा कि भारत अपनी ही भूमि पर कार्रवाई कर रहा है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने साफ संकेत दिया है कि अब वह आतंक के खिलाफ सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर ही नहीं, समूचे पाकिस्तान में बिना जमीनी तौर पर घुसे ही जोरदार और निर्णायक कार्रवाई कर सकता है।

साफ है कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने जहां आक्राकम विदेश नीति का मुजाहिरा किया है, वहीं उसने आतंक के खिलाफ अपने निर्णायक संकल्प और नीति की घोषणा की है। इसके साथ ही स्वदेशी हथियार तकनीक की हुई वैश्विक ब्रांडिंग एक तरह से बोनस कही जा सकती है। इससे जहां स्वदेशी हथियार तकनीक का बाजार बढ़ेगा, वहीं आतंक को लेकर भारत की बदली नीति से पड़ोसी देशों को सचेत रहना होगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत में विधायिका-कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका का टकराव अब कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय किए जाने पर पहले तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई गई, वहीं अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब सर्वोच्च न्यायालय को देना चाहिए।

क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल, लोग हुए उत्सुक?

(कमलेश पांडे)

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

भारत में विधायिका-कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका का टकराव अब कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय किए जाने पर पहले तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई गई, वहीं अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब सर्वोच्च न्यायालय को देना चाहिए। बता दें कि समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा है कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है ! इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जब कोई प्रावधान ही नहीं है तब इतना बड़ा न्यायिक अतिरेक कैसे सामने आया जिससे भारत की कार्यपालिका और विधायिका में भूचाल आ गया।

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्जनाधिक नीतिगत सवाल उठाए हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। याद दिला दें कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ था, जो अब भी विभागीय शीत युद्ध के रूप में जारी है। इसी का परिणाम है कि अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और साफ साफ कहा है कि जब देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो फिर सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है।

मुर्मू के 14 सवाल, कहा- संविधान में ऐसा प्रावधान नहीं

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। वहीं यदि विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा था कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। यही वजह है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल पूछे हैं, जो इस प्रकार हैं- पहला, राज्यपाल के समक्ष अगर कोई विधेयक पेश किया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनके पास क्या विकल्प हैं? दूसरा, क्या राज्यपाल इन विकल्पों पर विचार करते समय मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे हैं?

तीसरा, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा लिए गए फैसले की न्यायिक समीक्षा हो सकती है? चतुर्थ, क्या अनुच्छेद 361 राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों पर न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह से रोक सकता है? पांचवां, क्या अदालतें राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों की समयसीमा तय कर सकती हैं, जबकि संविधान में ऐसी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है? छठा, क्या अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा लिए गए फैसले की समीक्षा हो सकती है? सातवाँ, क्या अदालतें अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा फैसला लेने की समयसीमा तय कर सकती हैं?

आठवां, अगर राज्यपाल ने विधेयक को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया है तो क्या अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की सलाह लेनी चाहिए? नवम, क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः अनुच्छेद 200 और 201 के तहत लिए गए फैसलों पर अदालतें लागू होने से पहले सुनवाई कर सकती हैं। दशम, क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों में बदलाव कर सकता है? ग्यारह, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के बिना राज्य सरकार कानून लागू कर सकती है?

बारह, क्या सुप्रीम कोर्ट की कोई पीठ अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच को भेजने पर फैसला कर सकती है? तेरह, क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसे निर्देश/आदेश दे सकता है जो संविधान या वर्तमान कानूनों मेल न खाता हो? चौदह, क्या अनुच्छेद 131 के तहत संविधान इसकी इजाजत देता है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही सुलझा सकता है?

दरअसल, ये ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब देने में सुप्रीम कोर्ट को काफी माथापच्ची करनी होगी। क्योंकि ये सवाल उसी नौकरशाही द्वारा तैयार किये गए होंगे, जिसका परोक्ष शिकंजा खुद कोर्ट भी महसूस करता आया है और इससे निकलने के लिए कई बार अपनी छटपटाहट भी नहीं छिपा पाता है। इसलिए सुप्रीम जवाब का इंतजार अब नागरिकों और सरकार दोनों को है, ताकि एक और 'लीगल पोस्टमार्टम' किया जा सके। इसलिए लोगों के जेहन में यह बात उठ रही है कि क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल? वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5734

1	2	3	4	5			6
7					■	■	
	■		■	8	9	10	
11	12			■	13		■
14			■	15		■	16
■		■	17		■	18	
19			■	20			
21		■	22		■		■

संकेतः बाएं से दाएं
1. 20 जून 2001 को इन्हें पाकिस्तान का राष्ट्रपति बनाया गया (8)
7. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
8. शैलीकार को यह भी कहते है (4)
11. ये छत्रपति शिवाजी के गुरू थे (4)
13. किन्हीं दो स्थानों के बीच दूर तय करने वाली विभक्ति, पर्वत (2)
14. माता का वह दुलार या लाड़-प्यारजो उसकी संतान पर होता है (3)
15. रामायणनुसार यह सुग्रीव का भ्राता तथा अंगद का पिता था, कान में पहनने का आभूषण, कर्ण श्रृंगार (2)
17. कार्य या शक्ति का मात्रक (2)
18. दायक, देने वाला (2)
19. आरज़ू, तमन्ना, हसरत, आकांक्षा (3)
20. आलोकित, दीप्त, चमकता हुआ (4)
21. फतह (2)
22. सड़क पथ, मार्ग (2)

ऊपर से नीचे
1. जनदग्नि के पुत्र जो ईश्वर के सोलहवें अवतार माने जाते है, वैशाख शुक्ल तीज को इनकी जयंती मनाई जाती है (5)
2. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
3. तनख्वाह या वेतन देने वाला (5)
4. किसी मंत्र आदि को बारंबार दोहराना, नाम स्मरण (2)
5. गठरी, पोटली, बंडल, मोटरी (3)
6. भिक्षुक, संयासी, दरवेश, भिखमंगा (3)
9. रंग-बिरंगे पंख वाला कीट, इसे चित्रपतंग भी कहते है (3)
10. काग, कौआ (2)
12. ममतापूर्ण, माता के लाड़-प्यार से भरा हुआ (5)
15. रामायण का एक भाग जिसमें श्रीराम के बाल्यकाल का वर्णन है (4)
16. औलाद, संतति, पुत्र या पुत्री (3)
18. जो रिश्ते में बेटी का पति हो, जंवाई (3)
19. बटन का घर, कार्य, मंगलोत्सव (2)

वर्ग पहेली 5733 का हल

रा	हु	ल	गां	धी	■	ना	ते
म	त	■	घा	र	क	■	ज
च	■	म	री	ज	■	■	■
रि	वा	ज	■	■	न	मा	ना
त	■	हू	टा	■	ज	ल	न
मा	हि	र	■	क	र	■	क
न	त	■	■	पा	बं	दी	■
स	■	■	फ	ल	द	■	■

डेंगू बीमारी एक मच्छर जनित वायरल इंफेक्शन है

(अनन्या मिश्रा)

हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। डेंगू बीमारी एक मच्छर जनित वायरल इंफेक्शन है। आमतौर पर डेंगू को वेक्टर बोर्न डिजीज भी कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह मच्छर अधिकतर बारिश के मौसम में होते हैं। डेंगू को भले ही लोग हल्के में लेते हैं, लेकिन यह एक गंभीर समस्या है। डेंगू बीमारी एक मच्छर जनित वायरल इंफेक्शन है। आमतौर पर डेंगू को वेक्टर बोर्न डिजीज भी कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह मच्छर अधिकतर बारिश के मौसम में होते हैं। डेंगू को भले ही लोग हल्के में लेते हैं, लेकिन यह एक गंभीर समस्या है। जो हर साल सैकड़ों लोगों की जान पर खतरा बनती है। इस बीमारी पर प्लेटलेट काउंट तेजी से घटती है, जो न सिर्फ शारीरक रूप से कमजोर बनाता है, बल्कि इससे व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसलिए हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। तो आइए जानते हैं इस दिन के इतिहास, महत्व, थीम और लक्षणों के बारे में...।

इस दिन को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य देश-दुनिया से डेंगू को पूरी तरह से खत्म करना है। इसलिए हर साल 16 मई को दुनियाभर में डेंगू दिवस मनाया जाता है। जिससे कि मच्छरों से होने वाली बीमारी से राहत पाई जा सके। इसलिए हर साल डेंगू दिवस मनाया जाता है, जिससे कि डेंगू से होने वाली मौतों की संख्या को घटाया जा सके। इस दिन लोगों को समझाया जाता है कि वह डेंगू को लेकर इतना जागरुक रहें कि वह इसको पहचानकर और समझकर उससे बच सकें। इस दिन को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरुक किया जाता है। जिससे के वह डेंगू में घटने वाली प्लेटलेट काउंट को बढ़ा सकें।

डेंगू के लक्षण

- शरीर पर लाल चकत्ते होने के साथ ही नाक से खून आना
- जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द होना
- उल्टी के साथ कमजोरी महसूस होना
- सिरदर्द और थकान
- ज्यादा पसीना आना
- कम भूख लगना

महत्व

इस दिन को मनाए जाने का महत्व लोगों को डेंगू से बचाना है। इस दिन को मनाने के लिए जगह-जगह पर हेल्थ कैंप और चेकअप प्रोग्राम्स का भी आयोजन किया जाता है। वहीं डॉक्टर्स द्वारा डेंगू की रोकथाम के तरीकों और उसे मात देने के तरीकों के बारे में बताया जाता है। जिससे कि इस संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

थीम

राष्ट्रीय डेंगू दिवस की साल 2025 की थीम 'डेंगू की रोकथाम के लिए हमें जल्दी रिएक्ट करना चाहिए साथ ही वातावरण को साफ और हेल्दी रखना चाहिए' रखी गई है।

आज का राशिफल

मेष

आज करियर के मामले में दिन लाभ से भरा होगा। कामकाज में तेज़ी आएगी और कोई सरकारी कागज़ात या डील आपके पक्ष में फाइनल हो सकती है। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो उच्च अधिकारियों से तारीफ और पद में वृद्धि के संकेत हैं। व्यवसायियों को किसी सरकारी ठेके या बड़ी डील में भागीदारी मिल सकती है।

वृष

आज भाग?य साथ दे रहा है और आपकी योजनाएं सफल होंगी। यदि आपने हाल ही में कोई व्यवसाय शुरू किया है या स्थान परिवर्तन का सोच रहे हैं, तो दिन अनुकूल है। किसी तीर्थस्थान या धार्मिक स्थल की यात्रा से मानसिक शांति मिलेगी और नए अवसरों के द्वार खुलेंगे और आपको कोई बड़ी सफलता मिल सकती है।

मिथुन

आज दिन रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यों के लिए बेहद अनुकूल है। कला, लेखन, संगीत या किसी भी क्रिएटिव क्षेत्र से जुड़े लोग आज अपने कौशल से धन अर्जित कर सकते हैं। अगर आप फ्रीलांसर हैं या घर से काम करते हैं, तो कोई नया क्लाइंट जुड़ सकता है।

कर्क

आज दिन पुराने अधूरे कार्यों को पूरा करने का है। कोई व्यवसायिक मीटिंग या प्रेजेंटेशन उम्मीद से बेहतर होगी और आपको लाभ होगा। आपके काम की तारीफ हो सकती है। धन लाभ के अवसर बन रहे हैं, विशेष रूप से किसी निवेश से लाभ या बोनस की प्राप्ति हो सकती है।

सिंह

आज दिन काफी व्यस्तताओं से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके खिलाफ कोई व्यक्ति चाल चल सकता है, इसलिए सतर्क रहें। ऑफिस में वरिष्ठ अधिकारी आपके काम में रुकावट डालने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन आपके आत्मविश्वास और सूझबूझ से आप हालात को संभाल लेंगे।

कन्या

आज भाग?य साथ दे रहा है और समझदारी से कई बिगड़े काम बन सकते हैं। अगर आप बिजनस करते हैं तो किसी ग्राहक या व्यापारी के साथ मतभेद हो सकता है, लेकिन सूझबूझ से आप नुकसान से बच सकते हैं। आज कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला

आज दिन लाभ का संकेत दे रहा है। नौकरी से संबंधित कोई रुका हुआ प्रमोशन या ट्रांसफर का मामला आगे बढ़ सकता है। व्यवसाय में नया प्रॉजेक्ट मिल सकता है, जिससे आमदनी बढ़ेगी।

वृश्चिक

आज दिन आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत शुभ है और आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। पुराना कोई निवेश अब फल देने लगेगा। व्यवसाय में नए अनुबंध पर हस्ताक्षर हो सकते हैं, जिससे आपकी कमाई में इजाफा होगा।

धनु

आज नए प्रयोग और जोखिम लेने का है। व्यापारियों के लिए समय अनुकूल है। कोई बड़ा सौदा या निवेश फायदे का सौदा बन सकता है। पैसों से संबंधित किसी पुरानी उलझन का समाधान मिल सकता है। हालांकि अपने करीबी लोगों की जरूरतों का ध्यान भी रखना होगा।

मकर

आज दिन सामान्य है, लेकिन व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन ठीक-ठाक रहेगा। साझेदारी के कामों से लाभ मिल सकता है। रोज़मर्रा के खर्चे थोड़े बढ़ सकते हैं। आपके घर की मरम्मत, बच्चे की पढ़ाई या किसी इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीद हो सकती है।

कुंभ

आज लापरवाही से बचने की सलाह है नहीं तो आपको डॉक्टर पर खर्चा करना पड़ सकता है। व्यापार में दिन अच्छा है। कोई नया सौदा हाथ लग सकता है। हालांकि कोई फैसला जल्दबाजी में न लें, हर दस्तावेज को ध्यान से पढ़ें। नौकरी में काम का बोझ रहेगा लेकिन कोई नया सीखने को मिलेगा जिससे भविष्य में लाभ होगा।

मीन

आज दिन बढ़िया है। कोई पुराना लेन-देन सुलझ सकता है जिससे राहत मिलेगी। व्यापार में जोखिम लेने से फायदा होगा। नई योजनाएं बन सकती हैं और उनमें सफलता मिलने के संकेत हैं। परिवार में किसी सदस्य की तरक्की से खुशी मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

ईओएस-09 मिशन हुआ फेल, इसरो प्रमुख बोले हम वापसी करेंगे

श्रीहरिकोटा, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ईओएस-09 मिशन तीसरे चरण में चूक गया। इसकी जानकारी इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने दी। इसे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी-सी61) से लॉन्च किया गया था, जो कुछ ही मिनटों में असफल हो गया। आधिकारिक एक्स पोस्ट में बताया गया कि रविवार को 101वां प्रक्षेपण प्रयास किया गया, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में तकनीकी खामी पेश आई जिससे वो चूक गया। इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने जानकारी दी कि पीएसएलवी के चार चरणों में से पहले दो चरणों का प्रदर्शन सामान्य रहा, लेकिन तीसरे चरण में तकनीकी खामी के कारण मिशन को पूरा नही किया जा सका। उन्होंने कहा, हम विश्लेषण के बाद वापसी करेंगे। इसरो ने एक्स पर लिखा, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में एक तकनीकी ऑब्जर्वेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो पाया। इसरो ने रविवार सुबह 5:59 बजे ईओएस-09 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया था। ईओएस-09 को सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया जाना था, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते सैटेलाइट को उसकी निर्धारित कक्षा में नहीं पहुंचाया जा सका। ईओएस-09 एक एडवांस पृथ्वी ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट है, जिसमें सी-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह सैटेलाइट किसी भी मौसम और दिन-रात में धरती की सतह की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीर लेने में सक्षम है। यह कृषि, वन क्षेत्र प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और रक्षा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसरो के मुताबिक, यह पीएसएलवी रॉकेट की कुल 63वीं उड़ान और पीएसएलवी-एक्सएल वर्जन की 27वीं उड़ान थी। इस मिशन से पहले इसरो के पीएसएलवी ने अब तक कई सफल लॉन्च पूरे किए थे। ईओएस-09 में लंबी अवधि का फ्यूल भी था, जिससे मिशन समाप्त होने के बाद इसे सुरक्षित तरीके से अंतरिक्ष से हटाया जा सके।

श्रीनगर में आतंकियों के सहयोगियों पर ऐक्शन, 23 के खिलाफ पीएसए के तहत केस दर्ज

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में आतंकवादियों के 23 सहयोगियों और उपद्रवियों पर बड़ा ऐक्शन लिया है। इनके खिलाफ कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों को हिरासत में लेकर पुंछ, उधमपुर के जिला कारागार और जम्मू की कोट भलवाल जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्र की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह व आपराधिक तत्वों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की गई। इसके तहत, श्रीनगर पुलिस ने विध्वंसक गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के 23 सहयोगियों और सार्वजनिक अशांति में शामिल बदमाशों के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया। श्रीनगर पुलिस की ओर से तैयार किए गए दस्तावेज के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय से हिरासत का आदेश मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने अदालतों से जमानत मिलने के बाद भी अपने तरीके नहीं सुधारे। वे सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने, आपराधिक और राष्ट्र के खिलाफ विध्वंसक गतिविधियों में बेशर्मी से शामिल थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर शहर में ऐसे राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक गुटों को निशाना बनाया है। उन्हें ध्वस्त करके इन तत्वों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रवक्ता ने कहा, पुलिस इस क्षेत्र में सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक आपराधिक गतिविधियों को खत्म करना चाहती है। इसके लिए कानून की पूरी ताकत के साथ कार्रवाई की जा रही है। प्रवक्ता ने उन लोगों को चेतावनी दी, जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए हानिकारक अवैध या विघटनकारी गतिविधियों में शामिल हैं। इसमें कहा गया कि कानून का लंबा हाथ उन्हें जल्द ही पकड़ लेगा और प्रत्येक अपराधी को न्याय का सामना करना पड़ेगा।

सरकार से मदद में मिले आवासों को बनाया कमाई का जरिया, 219 को भेजा जाएगा नोटिस

प्रयागराज, एजेंसी। यूपी के प्रयागराज में देवघाट झलवा की कांशीराम आवास योजना में सरकार ने गरीबों को सिर छिपाने के लिए रियायती दरों पर आवास तो दिया, लेकिन मदद में मिली इस छतको आवंटियों ने कमाई का जरिया बना लिया। यहां ब्लॉक एक से 33 तक के 528 घरों की जांच की गई तो 326 घर ऐसे मिले जहां या तो ताला बंद था या फिर लोगों नेइसे किराए पर उठा दिया था। अब इन घरों को खाली कराया जाएगा। इसमें मूल आवंटियों को बसाया जाएगा या फिर दूसरे गरीबों को इसे नए सिरे से दिया जाएगा। रिपोर्ट में कई आवासों को बेचने की भी बात कही गई है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की जनसुनवाई में प्रतिदिन ऐसे लोग आते हैं, जिनके पास न तो जमीन है और न ही आवास। उनकी स्थिति को देखकर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह को राजस्व टीम के साथ कांशीराम आवास योजना का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा था।

मैं पाकिस्तान का दुल्हा भाई बन गया हूं, असदुद्दीन ओवैसी बोले- उसके दिमाग में भूसा भरा है

नईदिल्ली, एजेंसी। कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी लगातार पाकिस्तान को लताड़ रहे हैं। उन्होंने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का भी खुलकर समर्थन किया। वहीं पाकिस्तान के समर्थकों की तरफ से उनपर हो रहे अटैक को लेकर जब सवाल किया गया तो ओवैसी ने कहा, हम पाकिस्तान के दुल्हे भाई हो गए हैं आजकल। अब कोई नहीं रहा वहां पर। हम ही रह गए हैं। इतना बेबाक और हैंडसम कोई रह ही नहीं गया। अब हम ही रह गए हैं। देखते रहो प्यारे मेरे को। थोड़ा सुनते रहो, इससे ज्ञान बढ़ेगा। तुम्हारे दिमाग में जो भूसा भरा हुआ है वह साफ हो जाएगा। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, भारतीय सेना को धन्यवाद कहता हूं कि उन्होंने पहलगाम के हमले के बाद आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया गया। उन्होंने विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर कहा, यह हमारे लिए अच्छी बात है कि हमारे मुल्क में जो आतंकवादी वाकयात हो रहे हैं, उनके बारे में सभी देशों को बताना पड़ेगा। भारत का स्टैंड हमेशा आतंकवाद के खिलाफ रहा है। खास तौर पर पड़ोसी मुल्क बार-बार हमारे देश में दहशतगर्दी को प्रमोट करता है। इसलिए दुनिया के सामने बेनकाब करना महत्वपूर्ण काम है। ओवैसी ने कहा, अटल बिहारी वाजपेयी के जमाने में भी एक डेलिगेशन गया था। इसके बाद 2008 में 26/11 हमले के

बाद भी डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने एक डेलिगेशन भिजवाया था। उन्होंने कहा, पाकिस्तान झूठ की बुनियाद पर बना है। वे झूठ बोलेंगे डराने की कोशिश करेंगे कि हमारे पास न्यूक्लियर बम है। ईरान और इजरायल के पास भी न्यूक्लियर बम है तो क्या वे लोग रुक रहे हैं। एक दूसरे को मार रहे हैं। औवैसी ने कहा, हम लोग अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम किसी पार्टी से हैं जरूर लेकिन हम अपने मुल्क के लिए काम कर रहे हैं। सांसद दूसरे देशों में जाकर बताएंगे कि पाकिस्तान किस तरह से इस देश को परेशान करना चाहता है। पूरी दुनिया को देखना है कि हमारी पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगर यहां पर कोई भी डिस्टर्ब होगा तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ेगा। भारत कोई मामूली देश तो है नहीं। उन्होंने कहा, पुंछ में छोटे चार मासूम बच्चे मर गए। इसमें दो जुड़वा थे। आर्मी के पांच लोग मारे गए। 21 आम लोग मारे गए। घरों को नुकसान हुआ। ये सारी बातें दुनिया के सामने रखनी हैं। हम बोलेंगे कि क्या ये ठीक है। ओवैसी ने कहा, ईरान में जो पोर्ट बन रहा है इससे हम पाकिस्तान को बाइपास करके अफगानिस्तान जाएंगे। तालिबान ने तुरंत पहलगाम की निंदा की। ओवैसी ने कहा, टर्की को समझना चाहिए कि उसके देश में भारत के कितने ऑफिस हैं। टर्की को समझना चाहिए कि भारत में करोड़ों मुसलमान रहते हैं। टर्की खुद आतंकवाद का भुक्तभोगी रहा है। उसे आतंकवाद की समस्या को समझना चाहिए। सीजफायर के ऐलान को लेकर ओवैसी ने कहा कि युद्धविराम का ऐलान हमारे देश के प्रधानमंत्री को करना चाहिए था। किसी और देश को राष्ट्रपति को नहीं करना चाहिए था। वह (ट्रंप) बार-बार कह रहे हैं कि ट्रेड कर लेंगे, ट्रेड कर लेंगे। पाकिस्तान से यूएस का केवल 10 बिलियन का ट्रेड होता है। भारत का यूएस से ट्रेड 150 बिलियन से ज्यादा होता है। क्या मजाक है यह। क्या हम ट्रेड के लिए खामोश बैठ जाएंगे। क्या अमेरिका गारंटी ले रहा है कि पाकिस्तान फिर आतंकी हमले नहीं करेगा। पाकिस्तान की सेना हमेशा हमें तंग करने वाली है। हमें अपनी सरकार से मतलब है। किसी दूसरी सरकार से मतलब नहीं है। पाकिस्तान के लोग भिखमंगे हैं। अभी वे 2 बिलियन डॉलर आईएमएफ से लेकर आए हैं।

पाकिस्तान पर एक और हमले के लिए तैयार था भारत, भीख मांगने लगा पड़ोसी

नई दिल्ली, एजेंसी। 7 मई को हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत द्वारा आतंकवादी ढांचों को ध्वस्त करने के बाद 10 मई की सुबह भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस को निशाना बनाया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया और इस्लामाबाद ने अमेरिका से तत्काल हस्तक्षेप की भीख मांगी। भारतीय नौसेना द्वारा कराची नौसैनिक अड्डे पर संभावित हमले की खबरों ने पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था को पूरी तरह झकझोर दिया। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 10 मई की सुबह भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से संपर्क करने के लिए आपात प्रयास किए। अमेरिकी सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने अमेरिका को बताया कि वह तत्काल युद्धविराम चाहता है, हालांकि भारत की ओर से साफ कर दिया गया कि किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय डीजीएमओ पैनल से ही होगा क्योंकि इस समय सेना ही पूरे अभियान का नेतृत्व कर रही है। पाकिस्तान के महानिदेशक सैन्य संचालन काशिफ अब्दुल्ला ने सुबह 10:38 बजे भारत के डीजीएमओ को फोन कर कराची पोर्ट पर संभावित ब्रह्मोस मिसाइल हमले की बात कही और प्रतिघात की धमकी दी।

छत्तीसगढ़ में पहचान छुपा रह रहा था बांग्लादेशी कपल; 5 साल पहले भी पकड़ाया, पुलिस ने नहीं भेजा वापस

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने राज्य में पिछले 8 साल से अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी दंपति को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों आरोपियों ने भारत में रहने के दौरान दो बार फर्जी आधार और पैन कार्ड बनवा लिए थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी दंपति को इससे पहले साल 2020 में भी इसी आरोप में गिरफ्तार किया गया था, हालांकि मामला अदालत में होने की वजह से दोनों को वापस बांग्लादेश नहीं भेजा गया था। कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार 16 मई को पुलिस को जानकारी मिली कि सुपेला थाना क्षेत्र के एक मकान में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला और उसका पति अपनी मूल पहचान छिपाते हुए गलत नाम से रह रहे हैं। इसके बाद जब पुलिस दल ने आरोपी दंपति से पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम ज्योति और रासेल शेख बताया। दोनों ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के उत्तर-24 परगना जिले के निवासी हैं। पूछताछ के दौरान दंपति ने जानकारी दी कि वह 2009 से 2017 तक नवी मुंबई ठाणे में रहते थे तथा 2017 से वह दुर्ग जिले के भिलाई में रह रहे हैं। इसके बाद जांच के दौरान जब आरोपी दंपति ने अपना आधार कार्ड दिखाया तो पुलिस को वह संदेहास्पद लगा। फिर जब उनसे सख्ती से पूछताछ की गई तो उन्होंने खुद के बांग्लादेशी होने की बात मान ली। इस दौरान महिला ने अपना असली नाम शाहिदा खातून (35) और उसके पति ने अपना नाम मोहम्मद रासेल शेख (36) बताया। साथ ही कहा कि वे बांग्लादेश के जेस्सोर जिले के निवासी हैं।

भारत में घुसने के बारे में बताते हुए शाहिदा खातून ने कहा कि उसने साल 2009 में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय बोंगा बॉर्डर के जरिए अवैध तरीके से पश्चिम बंगाल में प्रवेश किया था, इसके बाद वह वहां से हावड़ा होते हुए मुंबई पहुंच गई और वहां मजदूरी करने लगी। उसने बताया कि मुंबई में उसका परिचय बांग्लादेश के ही रहने वाले मोहम्मद रासेल से हुआ और फिर दोनों मुंबई से वापस बांग्लादेश चले गए।

नूंह में ईंट भट्टे पर काम कर रहे थे बांग्लादेशी, पुलिस ने 23 को दबोचा, निशाने पर मददगार

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले में एक ईंट भट्टे पर छापेमारी में 23 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि ये बांग्लादेशी घुसपैठी बाजडका गांव में ईंट भट्टे पर काम कर रहे थे। इनमें चार पुरुष, छह महिलाएं और 13 नाबालिग शामिल हैं। नूंह पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार, एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई तो इन घुसपैठियों को पकड़ा गया। पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच में जुटी है और पूछताछ कर रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशानुसार जिला नूंह में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए मुहिम चलाई जा रही है। इसी के तहत शुक्रवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सदर थाना क्षेत्र में काफी संख्या में बांग्लादेश के नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। सूचना पाते ही एक टीम गठित की गई। इसके बाद महिला, बच्चों समेत करीब 23 बांग्लादेश के नागरिकों को काबू किया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि पकड़े गए बांग्लादेशी गांव बाजडका के बिहारी ईंट-भट्टे पर काम करते थे। सभी काफी समय से बिना किसी वैध दस्तावेजों के जिले में रह रहे थे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि काबू बांग्लादेश के नागरिकों के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई।

'हम कहां रहेंगे, सब बर्बाद हो गया, पाकिस्तानी गोलाबारी से तबाह सीमावर्ती इलाकों के लोगों की गुहार

जम्मू-कश्मीर , एजेंसी। नियंत्रण रेखा के पार से भारी गोलाबारी के चलते जम्मू जिले के खौर-पर्गवाल सेक्टर में काफी तबाही मची है। कई सीमावर्ती गांवों के निवासी अपने घर, पशुधन और आजीविका खोने के बाद सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। मकानों के क्षतिग्रस्त होने और पशुधन के नष्ट होने के बाद वे अब सरकार से तत्काल आश्रय का आग्रह कर रहे हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इसके बाद पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर भारत की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किए जाने के बाद यह गोलाबारी हुई। जम्मू में हाल में हुई गोलाबारी और ड्रोन हमलों में 27 लोग मारे गए और 70 से अधिक घायल हो गए। हजारों लोगों ने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों से पलायन कर सरकारी राहत शिविरों में शरण ली थी। सीमावर्ती गांव की रहने वाली कमला देवी अपने भाई के साथ लौटीं तो देखा कि उनका घर बर्बाद हो चुका है और उनके मवेशी मर चुके हैं। रुंधे हुए स्वर में उन्होंने कहा, 'अब हम कहां रहेंगे? हम इन जानवरों पर निर्भर थे। वे मर चुके हैं और हमारा घर भी बर्बाद हो चुका है।' उन्होंने कहा कि मेरे पति के मना करने के बावजूद मैं जबरदस्ती घर वापस आ गई। अब यहां कोई काम नहीं है। हमें रहने के लिए जगह दें। हम बेघर हैं। क्या होता है विस्थापन का

दर्द विस्थापन के दर्द को याद करते हुए कमला ने कहा, 'सीमा पर तनाव के कारण हम भागकर अपने पिता के घर में शरण लिए हुए थे। 10 मई को संघर्षविराम की घोषणा की गई थी। मेरे पति घर पर थे, लेकिन शाम को चले गए। उस रात संघर्षविराम के बावजूद पाकिस्तान ने हमारे गांव पर भारी गोलाबारी की। 2 गोले हमारे घर पर गिरे, हमारे तीन मवेशी मारे गए। हम बाल-बाल बच गए।' बार-बार होने वाली गोलाबारी और पिछले कुछ साल में संघर्षविराम समझौते की विफलता को लेकर ग्रामीणों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। पूर्व पंचायत सदस्य जोगिंदर लाल ने पूरी तरह संघर्षविराम की मांग की है। अन्य ग्रामीणों ने भी यही मांग की। उन्होंने कहा, 'जब पाकिस्तान संघर्षविराम का सम्मान नहीं करता तो संघर्षविराम का क्या मतलब है? हम पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए युद्ध चाहते हैं। हम किसी भी सरकारी नीति के बंधक नहीं बन सकते जो हमें अनिश्चितता में डालती है।' सरकार से लगाए बैठे हैं आस दीपक कुमार के कान में मामूली चोट लगी है और उनके घर को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने याद किया कि कैसे गोलाबारी में उनके पड़ोसी करण सिंह का मकान नष्ट हो गया। कुमार ने कहा, 'यह पाकिस्तान की ओर से छेड़े गए युद्ध जैसा था। अगर वे भविष्य में आतंकी हमले करते हैं, तो हमें मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

अखिलेश ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को पत्र लिख दिया जवाब

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की सियासत में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के बीच डीएनए के नाम पर विवाद जारी है। डिप्टी सीएम के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अभद्र पोस्ट करने को लेकर भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की ओर से दी गई तहरीर पर लखनऊ के हजरतगंज थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। इस बीच सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को एक्स के जरिए पत्र लिखकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। साथ ही दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील भी की है। इस पत्र में अखिलेश यादव ने लिखा-'हमने उप्र के उप मुख्यमंत्री जी की टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए, पार्टी स्तर पर उन लोगों को समझाने की बात कही है जो समाजवादियों के डीएनए पर दी गयी आपकी 'अति अशोभनीय टिप्पणी' से आहत होकर अपना आपा खो बैठे। आइंदा ऐसा न हो, हमने उनसे तो ये आश्वासन ले लिया है लेकिन आपसे भी यही आशा है कि आप जिस तरह की बयानबाज़ी निरंतर करते आये हैं उस पर भी विराम लगेगा। आप जिस स्तर के बयान देते हैं वो भले आपको

अपने व्यक्तिगत स्तर पर उचित लगते हों लेकिन आपके पद की मर्यादा और शालीनता के पैमाने पर किसी भी तरह उचित नहीं ठहराये जा सकते हैं। एक स्वास्थ्य मंत्री के रूप में आपसे ये अपेक्षा तो है ही कि आप ये समझते होंगे कि किसी के व्यक्तिगत 'डीएनए' पर भद्दी बात करना दरअसल किसी व्यक्ति नहीं वरन् युगों-युगों तक पीछे जाकर उसके मूलवंश और मूल उद्गम पर आरोप लगाना है। जैसा कि सब जानते हैं कि हम यदुवंशी हैं और यदुवंश का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से है अतः ऐसे में आपके द्वारा हमारे डीएनए पर किया गया प्रहार धार्मिक रूप से भी हमें आहत करता है। हम जानते हैं कि आपका धर्म-प्रधान व्यक्तित्व ऐसा नहीं है कि वो भगवान श्रीकृष्ण के प्रति ऐसी दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी कर सकता है परंतु एक सामान्य भोला व्यक्ति जो भगवान श्रीकृष्ण ही नहीं बल्कि किसी भी भगवान में विश्वास करता है वो आपकी टिप्पणी को अन्यथा भी ले सकता है। ऐसे में आपसे आग्रह है कि राजनीति करते-करते न अपनी नैतिकता भूलिए और न ही धर्म जैसी संवेदनशील भावना को जाने-अंजाने में ठेस पहुंचाइए। आशा है जो पहले ऐसा न था। आप यदि एकांत में बैठकर अपने विगत वर्षों के व्यवहार, विचार और व्यक्तित्व का निष्पक्ष अवलोकन-आलोचन करेंगे तो पाएंगे कि मूल रूप से आपके विचारों में पहले कभी भी ऐसा विचलन न था, न ही आपकी राजनीतिक आकांक्षाएं ऐसी थीं।

हनुमान बेनीवाल के बयान पर भड़की करणी सेना

नागौर, एजेंसी। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सुप्रीमो व राजस्थान की नागौर लोकसभा सीट से सांसद हनुमान बेनीवाल के दिए एक बयान को लेकर करणी सेना भड़क गई है। जिसके बाद नाराज करणी सेना ने सांसद को आक्रामक जवाब देने की धमकी देते हुए इसके लिए करणी सैनिकों को तैयार रहने के लिए कहा है। दरअसल बेनीवाल ने हाल ही में मीडिया से बात करते हुए राजस्थान के राजा-रजवाड़ों को लेकर कुछ आपत्तिजनक बातें कही थीं। उन्होंने कहा था कि एक-दो राजाओं को छोड़कर राजस्थान के किसी राजा ने मुगलों से लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि वे तो युद्ध क्षेत्र से 70 किलोमीटर पहले ही अपनी बेटी लेकर पहुंच जाते थे और उनके सामने पेश कर देते थे। इसी बयान को लेकर करणी सेना भड़क गई है। बेनीवाल के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए क्षत्रिय करणी सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राज शेखावत ने कहा, हमारे पूर्वजों एवं क्षत्राणियों पर एकबार फिर अभद्र टिप्पणी की गई है, और वह भी जननायक द्वारा। राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा यह अभद्र टिप्पणी की गई है, शीघ्र ही घोषणा की जाएगी इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए। सभी करणी सैनिक तैयार रहें, जय क्षात्र धर्म। इससे पहले अपने जवाब की शुरुआत उन्होंने जय क्षात्र धर्म, वीर

भोग्या वसुंधरा और धर्मो रक्षति रक्षितः जैसे वाक्यों के साथ की। इस बारे में वीडियो जारी करते हुए राज शेखावत ने सोशल मीडिया पर लिखा, जल्द ही राजस्थान सांसद हनुमान बेनीवाल को आक्रामक जवाब दिया जाएगा। तारीख, समय और स्थल घोषित किया जाएगा। सभी करणी सैनिक तैयार रहें। जय क्षात्र धर्म। एक मीडिया हाऊस से बात करते हुए नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा था, 'राजस्थान के इतिहास में ज्यादा लड़ाइयां नहीं लड़ी गई, एक-दो लोगों का ही नाम होगा लड़ने वालों में, इसके अलावा मुझे नहीं लगता राजस्थान के लोगों ने कोई लड़ाई लड़ी है, महाराज सूरजमल को छोड़ दें या एक-दो लोगों को छोड़ दें तो ज्यादा लड़ाइयां नहीं लड़ी गई है।

हमारे 4 में से केवल 1 ही नाम को चुना, भड़की कांग्रेस; किसी नेता को विदेश जाने से नहीं रोकेगी पार्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। मामला उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों से जुड़ा है जिन्हें पाकिस्तान के आतंकवाद से संबंध और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े तथ्यों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर करने के लिए विदेश भेजा जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने उसके द्वारा सुझाए गए चार नेताओं में से केवल एक को ही प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया। कांग्रेस ने बताया कि केंद्र सरकार ने पार्टी से चार सांसदों के नाम मांगे थे, जिसके जवाब में पार्टी ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नाम भेजे थे। लेकिन, अंतिम सूची में सिर्फ आनंद शर्मा को ही शामिल किया गया, जबकि बाकी तीन नामों को नजरअंदाज कर दिया गया। इसके विपरीत, सरकार ने कांग्रेस के शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया है। ये उन नामों में शामिल नहीं थे जिन्हें कांग्रेस ने सुझाया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार देर रात जारी एक बयान में कहा, 16 मई की सुबह, मोदी सरकार ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों/नेताओं के नाम मांगे, जिन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत की स्थिति को दुनिया के सामने रखने के लिए विदेश भेजे जा रहे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया जाना था। कांग्रेस

संसदीय दल की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 16 मई को दोपहर 12 बजे तक चार नाम संसदीय कार्य मंत्री को लिखित रूप में भेज दिया था। उन्होंने कहा कि आज देर रात (17 मई) इन सभी प्रतिनिधिमंडलों की आधिकारिक सूची जारी कर दी गई है। अत्यंत खेदजनक है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सुझाए गए चार नामों में से केवल एक को ही शामिल किया गया है। रमेश ने आरोप लगाया कि यह मोदी सरकार की पूरी तरह से असंवेदनशील और असत्यनिष्ठ राजनीतिक सोच को उजागर करता है, और यह दर्शाता है कि किस तरह वह गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है। इससे पहले खबरें आई थीं कि कांग्रेस उन नेताओं पर ऐक्शन ले सकती है जो बिना उसकी इजाजत के सरकारी प्रतिनिधिमंडलों के साथ विदेश जाएंगे। इनमें शशि थरूर का नाम भी शामिल है। क्योंकि कांग्रेस ने जो लिस्ट सरकार को दी उसमें थरूर का नाम शामिल नहीं था, फिर भी सरकार ने उन्हें लिस्ट में शामिल किया है। हालांकि अब कांग्रेस पार्टी ने साफ कर दिया है कि भले ही उसके दिए नामों में से नेताओं को नहीं चुना गया हो, फिर भी वह किसी को विदेश जाने से नहीं रोकेगी। जयराम रमेश ने कहा, मोदी सरकार की ओर से शामिल किए गए कांग्रेस के चार सम्मानित सांसद/नेता निश्चित रूप से प्रतिनिधिमंडल के साथ जाएंगे और अपनी भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री और भाजपा के इस स्तरहीन आचरण तक नहीं गिरेगी। पार्टी इन सभी प्रतिनिधिमंडलों को अपनी शुभकामनाएं देती है। उन्होंने कहा, हालांकि, यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि ये प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस पार्टी की उन प्रमुख मांगों से ध्यान न भटकाएं, जिनमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठकें बुलाने की मांग और संसद का विशेष सत्र आयोजित कर 22 फरवरी 1994 को पारित किए गए।

प्रज्ञानानंदा नें सुपरबेट क्लासिक शतरंज का खिताब जीतकर रचा इतिहास

बुखारेस्ट, रोमानिया (एजेंसी)। भारत के 19 वर्षीय ग्रांडमास्टर प्रज्ञानानंदा आर ने सुपरबेट चैस क्लासिक का जीतकर अपना पहला ग्रांड चेस टूर खिताब हासिल कर लिया है। एक बेहद रोमांचक तीन-तरफ़ा टाईब्रेक में उन्होंने फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा और मैक्सिम वाचिए-लाग्राव को पीछे छोड़ते हुए यह खिताब अपने नाम किया। यह इस वर्ष उनका दूसरा बड़ा खिताब है और इसके साथ ही उन्होंने फीडे सर्किट 2025 में अपनी शीर्ष स्थिति को और मजबूत किया है और एक तरह से अगले कैंडिडैट के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है। 7 से 16 मई तक बुखारेस्ट में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में विश्व के 10 शीर्ष ग्रांडमास्टर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अंकतालिका में करीबी मुकाबला देखने को मिला और कोई स्पष्ट लीडर नहीं था। परंतु नौवें राउंड में अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ निर्णायक जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने बढ़त बना ली।

फाइनल राउंड का रोमांच - अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा ने लेवोन अरोनियन के खिलाफ एक आसान ड्रॉ खेलकर कम से कम सयुंक्त पहले स्थान की गारंटी कर ली थी। फबियानों कारुआना को विश्व चैंपियन डी गुकेश के खिलाफ जीत की ज़रूरत थी, परंतु वह काले मोहरों से कोई मौका नहीं बना सके और मुकाबला ड्रॉ रहा।

वहीं दूसरी ओर अलीरेज़ा फिरोज़ा ने मेजबान देश के बोगदान-डैनियल डैक के खिलाफ बेहद जोखिम उठाते हुए खेला। डैक ने 52वीं चाल पर बड़ी चूक कर दी, और फिरोज़ा ने पूरा अंक हासिल कर लिया। इसी तरह मैक्सिम वाचिए-लाग्राव ने पोलैंड के जान-क्रिज़्स्टॉफ डूडा की एक गलती का लाभ उठाते हुए जीत दर्ज की।

टाईब्रेक में दिखा प्रज्ञानानंदा का कमाल

प्रज्ञानानंदा, फिरोज़ा और एमवीएल के बीच चैंपियन तय करने के लिए 5 मिनट + 2 सेकंड की बढ़त के साथ एक राउंड-रॉबिन टाईब्रेक खेला गया। पहला मुकाबला अलीरेज़ा और प्रज्ञानानंदा के बीच गिउको पियानो ओपनिंग में खेला गया, जो संतुलित खेल के बाद ड्रॉ रहा। दूसरे मुकाबले में एमवीएल और फिरोज़ा ने भी अंक बाँटे, जहाँ फिरोज़ा ने काले मोहरों से कैरो-कैन डिफेंस में शानदार बचाव किया। निर्णायक मुकाबला प्रज्ञानानंदा बनाम वाचिए-लाग्राव के बीच हुआ। एंडगेम में वाचिए-लाग्राव ने पहले बराबरी का मौका गंवाया और फिर कुछ चालों बाद निर्णायक भूल कर बैठे। प्रज्ञानानंदा ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया।

यह जीत न केवल प्रज्ञानानंदा के करियर की एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह दर्शाता है कि वह अब विश्व शतरंज के शिखर पर स्थायी रूप से जगह बना चुके हैं। ग्रांड चैस टूर जैसे मंच पर उनकी यह जीत भारतीय शतरंज के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण है।

विश्व चैम्पियन डी गुकेश नें अंतिम दो राउंड में 1.5 अंक बनाते हुए अंतिम समय में अंक तालिका में सातवाँ स्थान हासिल करते हुए टूर्नामेंट का समापन किया।

इंग्लैंड दौरे के लिए ऋषिकेश कानितकर भारत-ए टीम के कोच होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऋषिकेश कानितकर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। कानितकर अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम की देखरेख करेंगे। भारत-ए टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलेगी। इसके बाद एक मैच भारत की सीनियर टीम के खिलाफ भी खेलेगी, जो बाद में इंग्लैंड का दौरा करेगी।

कानितकर के अलावा असम के सुभोदीप घोष (फील्डिंग कोच) और ट्रॉय कूली (गेंदबाजी कोच) भी भारत-ए टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करेंगे। भारत की 18 सदस्यीय टीम के 25 या 26 मई को इंग्लैंड रवाना होने की उम्मीद है। भारत-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी में खेला जाएगा।

नॉर्थैम्पटन में छह जून से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के बाद भारत ए टीम बेकनहम में 13 से 16 जून तक भारत सीनियर टीम के खिलाफ इंट्रा-स्क्वॉड मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा है कि शुभमन गिल और साई सुदर्शन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले ए टीम से जुड़ जाएंगे। वहीं, क्रिकबज की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर टीम का चयन मई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इसका चयन शुरू में 23 मई को किया जाना था, लेकिन आईपीएल के स्थगित होने और फिर से शुरू होने के कारण, इसमें देरी होने की संभावना है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर टीम 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से लगभग दो सप्ताह पहले छह जून को रवाना होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के इंग्लैंड दौरे के लिए जल्दी रवाना होने की सूचना थी। हालांकि, अब क्रिकबज ने बताया है कि वह सामान्य कार्यक्रम के मुताबिक टीम के साथ यात्रा करेंगे। भारत को पांच टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके अगले चार मैच बर्मिंघम (दो जुलाई से), लॉर्ड्स (10 जुलाई से), मैनचेस्टर (23 जुलाई से) और द ओवल (31 जुलाई से) में खेले जाएंगे।

सुरेश रैना ने कहा विराट कोहली को भारत रत्न दो... सचिन तेंदुलकर की तरह होगा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। विराट के इस फैसले से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हैरान थे। दिग्गजों ने भी विराट के इस फैसले पर सवाल खड़े किए थे। इसी बीच टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को देश का सबसे बड़ा खिताब देने की मांग की है।

विराट को भारत रत्न देने की मांग - पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को भारत रत्न देने की बात कही है। कोहली ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। रैना ने सरकार से यह मांग कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की है। सचिन तेंदुलकर अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें 2014 में भारत रत्न मिला था। रैना ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि विराट कोहली ने भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न देना चाहिए।

14 साल के करियर का किया अंत - विराट कोहली ने हाल ही में 14 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कहा है। कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने से उनके फैंस हैरान हैं। आरसीबी के फैंस बड़ी संख्या में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सफेद जर्सी पहनकर आए। वे कोहली को आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से पहले ट्रिब्यूट दे रहे थे। स्टेडियम में फैंस ने एक बड़ा बैनर लगाया था। उस पर लिखा था, हम सब विराट कोहली से प्यार करते हैं। रेड बॉल क्रिकेट को फिर से रोमांचक बनाने के लिए धन्यवाद।

शानदार रहा है करियर - विराट कोहली ने 2011 में अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। कोहली ने 31 अर्धशतक और 30 शतक भी लगाए। कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे सफल कप्तान रहे। उन्होंने 68 मैचों में भारत का नेतृत्व किया। उनमें से 40 में जीत हासिल की। उनकी कप्तानी में भारत आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 पर भी पहुंचा। भारत 42 महीनों तक इस स्थान पर बना रहा। विराट कोहली पहले ही टी20आई से भी संन्यास ले चुके हैं। लेकिन वे एक दिवसीय खेलते रहेंगे। उनसे 2027 का वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद है।

रोस्टन चेज वेस्टइंडीज के नए टेस्ट कप्तान

दो साल बाद टीम में वापसी, ब्रैथवेट की जगह लेंगे; ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से करेंगे कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने दो साल से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर रोस्टन चेज को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।

वह क्रैग ब्रैथवेट की जगह लेंगे। ब्रैथवेट ने इस साल के मार्च में टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज ने उनकी कप्तानी में खेले 39 मैच में से 10 टेस्ट जीते, 22 हारे और सात ड्रॉ रहे।

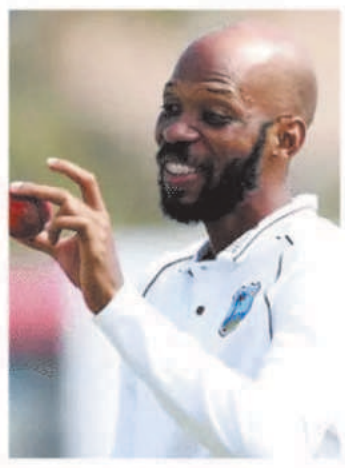

चेज 2023 में आखिरी बार टेस्ट खेला था - चेज ने आखिरी बार मार्च 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था। तब से वेस्टइंडीज ने 13 टेस्ट खेले, लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। अब टीम में वापसी के साथ ही उन्हें कप्तान बनाया गया है। इससे पहले वे एक वनडे और एक टी-20 में कप्तानी कर चुके हैं।

चेज की अगुआई में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जो 25 जून से ब्रिजटाउन में शुरू होगी।

चेज अब तक 49 टेस्ट खेले हैं - चेज ने अब तक 49 टेस्ट में 2265 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक शामिल हैं। उनका औसत 26.33 है। गेंद से भी उन्होंने 85 विकेट लिए हैं। शुरुआत में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। पहले 10 टेस्ट में उनका बैटिंग एवरेज 48.53 रहा, लेकिन इसके बाद उनका ग्राफ गिरा।

6 खिलाड़ियों के नाम पर विचार के बाद चेज का नाम पर हुआ फैसला - वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तान के लिए रोस्टन चेज के अलावा जॉन कैम्पबेल, टेविन इमलाच, जोशुआ दा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स और जोमेल वारिकन जैसे खिलाड़ी भी रेस में थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि कप्तान चुनने के लिए एक डेटा-आधारित, साइकोमेट्रिक टेस्ट वाला प्रोसेस अपनाया गया था। सभी प्रक्रिया के बाद रोस्टन चेज को कप्तान चुनने का फैसला किया गया।

सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने इस चयन को वेस्टइंडीज क्रिकेट की सबसे सोच-समझकर की गई प्रक्रिया बताया। कोच डैरेन सैमी ने भी कहा कि, चेज को उनके साथियों का सम्मान मिला है और वो टीम को आगे ले जाने के लिए जरूरी लीडरशिप क्वालिटीज दिखा चुके हैं।

उनकी कप्तानी बिल्कुल सटीक रही है

बांगर ने आईपीएल 2025 में रजत पाटीदार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में रजत पाटीदार के बढ़ते प्रभाव की आरसीबी के पूर्व मुख्य कोच और जियोस्टार विशेषज्ञ संजय बांगर ने प्रशंसा की है जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के दौरान दाएं हाथ के इस खिलाड़ी के संयमित नेतृत्व और परिपक्वता पर प्रकाश डाला।

पाटीदार की दोहरी भूमिका के बारे में बात करते हुए बांगर ने जियोहॉटस्टार पर टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी यह सिर्फ गेंदों की संख्या के बारे में होता है। यदि शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो आपके मौके सीमित हैं। साथ ही, शीर्ष प्रदर्शन करने वालों से घिरे होने का मतलब है कि आपको तीन या चार विफलताओं को बहुत अधिक नहीं पढ़ना चाहिए।

टी20 क्रिकेट की अप्रत्याशित प्रकृति के बावजूद पाटीदार बल्ले और अपनी सामरिक कौशल दोनों के साथ अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं। बांगर ने कहा, %रजत ने जिम्मेदारी को बहुत अच्छे से निभाया है। उनकी कप्तानी शानदार रही है। उन्होंने बल्ले से इस सीजन की शुरुआत दमदार तरीके से की और जब भी उन्होंने क्रीज पर समय बिताया, उन्होंने प्रभावित करना जारी रखा। टी20 में आप कुछ मौकों पर चूक जाते हैं - यह प्रारूप की प्रकृति है।

ईशांत ने सुदर्शन-किशोर की तारीफ की,बोले-

दोनों टीम के लिए इम्पैक्टफुल प्लेयस

नईदिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस (जीटी) के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों साई सुदर्शन और साई किशोर की तारीफ की है। उन्होंने कहा, दोनों खिलाड़ियों को पता है कि टीम के लिए इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस कैसे करना है। ईशांत ने शनिवार को स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में आईपीएल-2025 में प्लेऑफ रेस के बारे में बातचीत की। जहां उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे सीजन रुकने से टीम पर असर पड़ा और उन्होंने कोच आशीष नेहरा और कप्तान शुभमन गिल के साथ अपने बॉन्डिंग के बारे में भी बताया।

सुदर्शन को अपने स्किल पर पूरा भरोसा - मीडिया के सवाल पर ईशांत ने साई किशोर के बारे में बात करते हुए कहा, वे एक स्मार्ट खिलाड़ी हैं और जानते हैं कि उन्हें जो भी मौका मिले, उसमें अपना बेस्ट परफॉर्मेंस करना है। आप जानते है कि साई किशोर ने दूसरे गेंदबाजों की तुलना में कम ओवर गेंदबाजी की है, इसके बावजूद वह आईपीएल2025 पर्पल कैप के दावेदार हैं।साई किशोर ने इस सीजन 11 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। पर्पल कैप की रेस में 10वें नंबर पर हैं।

उन्होंने साई सुदर्शन के बारे में कहा, उन्हें अपने स्किल पर पूरा भरोसा है और वे जानते हैं कि खेल को कैसे आगे बढ़ाना है। वे बड़े हिटर नहीं हैं, लेकिन फिर भी अच्छे क्रिकेटिंग शॉट खेल सकते हैं, जैसे वे चौके मारते हैं, जिससे विपक्षी गेंदबाजों पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

ब्रेक से कोई असर नहीं - आईपीएल 2025 में थोड़े समय के ब्रेक के बारे में बात करते हुए ईशांत ने कहा, इसका कोई असर नहीं पड़ा। शुरू में मुझे बताया गया था कि आईपीएल अब नहीं होगा। लेकिन जल्द ही उन्हें बताया गया कि खिलाड़ी अहमदाबाद जा रहे हैं, जहां उन्होंने टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की घोषणा से पहले ही अभ्यास शुरू कर दिया था।

नेहरा-गिल के साथ मेरे संबंध बहुत मजबूत - ईशांत ने आगे कहा, कोच आशीष नेहरा और कप्तान शुभमन गिल दोनों के साथ मेरे संबंध बहुत मजबूत हैं। मैं युवा खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव को साझा करने की कोशिश करता हूं कि मैच में स्थिति के अनुसार अपनी स्टॉक डिलीवरी का उपयोग कैसे करें, क्योंकि कोई भी खिलाड़ी पहले ओवर में अपने सभी पत्ते नहीं दिखा सकता है, बल्कि उसे थोड़ा सा ब्लफ करना पड़ता है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को किया बर्खास्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की श्रृंखला में शामिल नहीं होंगे। इस श्रृंखला से हैरी ब्रूक कप्तान के तौर पर अपने एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करेंगे। मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की की तुलना में टी20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है।

मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाए रखने में मददगार होती है।

चिन्नास्वामी में बारिश के बीच आया कबूतरों का झुंड, फैंस ने कोहली को किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश से भीगी शाम को प्रकृति ने विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को एक काव्यात्मक विदाई दी। आरसीबी और कोलकाता के बीच आईपीएल 2025 के हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले, सफेद कबूतरों का झुंड उड़ा, जो कोहली की लाल गेंद की विरासत को श्रद्धांजलि सा प्रतीत हुआ। स्टेडियम में प्रशंसक भावुक हो उठे, लेकिन बारिश ने टॉस में देरी कर दी और मैच के धुलने का खतरा बढ़ा दिया। कोहली के लिए श्रद्धांजलि टी-शर्ट और नारों के बीच, बारिश ने भले ही खेल रोका, लेकिन प्रशंसकों का जोश और कोहली का उत्सव अटल रहा।

ऐसी ही अंक तालिका की स्थिति- आरसीबी अब रद्द मुकाबले से एक नंबर लेकर अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। उनके अब 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 17 प्वाइंट हो गए हैं। वहीं, गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 8 जीत और 16 प्वाइंट के साथ दूसरे नंबर पर है।

सूर्यकुमार यादव का यह आईपीएल सीजन उनके सर्वश्रेष्ठ सीजन में से एक है : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने आईपीएल 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ियों हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को टीम में वापसी का श्रेय दिया। दिग्गज क्रिकेटर ने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर फ्रैंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बहुमुखी बल्लेबाज सूर्यकुमार का यह आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन है।

भारत के टी20 कप्तान ने 12 मैचों में 510 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। मुंबई के इस बल्लेबाज के पास फिलहाल ऑरेंज कैप है, जबकि गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन (509 रन) और शुभमन गिल (508 रन) शीर्ष स्थान पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं जो सूर्यकुमार से सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम की शुरुआत खराब रही और उसने सीजन के अपने पहले मैचों में चार गेम गंवाए। हालांकि पांच बार के चैंपियन ने फिर से वापसी की और लगातार छह मैच जीते लेकिन बारिश से प्रभावित मैच में गुजरात टाइटन्स से तीन विकेट से हार गए। 12 खेलों में 14 अंकों के साथ मुंबई के पास दो गेम शेष रहते प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का एक मजबूत मौका है।

मांजरेकर ने कहा, मुझे यकीन नहीं है कि उनका अभियान पटरी से उतर जाएगा, भले ही रयान रिकेल्टन और विल जैक जैसे कुछ विदेशी खिलाड़ी संभावित रूप से प्रमुख खेलों के लिए अनुपलब्ध हों। वे खिलाड़ियों को सही भूमिकाओं में ढालने में कामयाब रहे हैं। शुरुआत में, वे थोड़े अनिश्चित दिखे लेकिन अब उन्हें स्पष्टता मिल गई है। सूर्यकुमार यादव अपने सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन में से एक खेल रहे हैं। और जब उच्च दबाव की स्थिति की बात आती है, तो मुंबई के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पनपते हैं, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और यहां तक ??कि रोहित शर्मा, उनके हालिया फॉर्म के बावजूद।

एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025

निहाल सरीन का रजत पदक, वंतिका अग्रवाल ने दिखाई दमदार चुनौती

अल ऐन, संयुक्त अरब अमीरात (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में सम्पन्न हुई एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने ओपन वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, वहीं महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल ने आखिरी राउंड में जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान की दौड़ में दमदार चुनौती दी।

निहाल सरीन का शानदार प्रदर्शन - ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने टूर्नामेंट के अंतिम राउंड में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की तरह खेलते हुए, लीड कर रहे ईरान के तरूबर्दिया दानेशवर को हराया और 7/9 अंकों के साथ बराबरी पर पहुँच गए। हालांकि दोनों खिलाड़ियों के अंक समान रहे, लेकिन टाईब्रेक स्कोर (प्रतिद्वंद्वियों की औसत रेटिंग) के आधार पर बर्दिया दानेशवर को स्वर्ण और निहाल सरीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह निहाल के करियर का एक और शानदार उपलब्धि रहा और उन्होंने अगले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल की चुनौती - महिला वर्ग में भारत की वंतिका अग्रवाल ने अंतिम राउंड में मंगोलिया की नेता बाट-एर्देने मंगुन्जुल को हराकर जोरदार वापसी की और शीर्ष पर पहुँच गईं।हालांकि, चीन की झूरूसोंग युशिन, उज्बेकिस्तान की गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा को सिर्फ 32 चालों में मात देकर आगे निकल गईं। चार खिलाड़ियों के बीच समान अंक रहने के बाद टाईब्रेक स्कोर के आधार पर सोंग युशिन को स्वर्ण, मंगुन्जुल को रजत और बाला-बाएवा को कांस्य पदक मिला।

पटवारी की मनमानी से किसान परेशान

कलेक्टर से कार्यवाही करने की लगाई गुहार, दलालों से मिलकर किसानों की जमीन के रिकॉर्ड में कर रहे हेरा फेरी

पन्ना। जिले के विभिन्न हलकों में पदस्थ पटवारीयों की मनद्वमानी तथा करगुजारियों से किसान भारी परेशान है इसी प्रकार का मामला गुनौर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत तिघरा बुजुर्ग हल्का पटवारी संजय शुक्ला का प्रकाश में आया है जो कई वर्षों से उक्त हल्का में जमे हुए हैं उनकी भ्रष्टाचारी तथा मनमानी से किसान परेशान हैं उक्त संबंध में आवेदक सुरेश प्रसाद पांडे पिता स्वर्गीय ददन राम पांडे निवासी करतारिया पटवारी हल्का तिघरा बुजुर्ग तहसील गुनौरद्वारा कलेक्टर के नाम दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया । कि उक्त हल्का पटवारी संजय शुक्ला द्वारा करतारिया ग्राम के ही नीरज त्रिपाठी राम अवतार एवं रमाकांत के रिश्तेदार हैं एवं स्वामी प्रसाद पांडे के नजदीकी हैं जिनके घर में रहकर

पटवारी शुक्ल द्वारा मनमाने ढंग से कार्य किया जा रहा है तथा उन्ही के इशारे पर पर लोगों के काम पटवारी करते हैं जिससे अन्य लोग भारी परेशान है आवेदन में उल्लेख किया गया कि पटवारी द्वारा हाल ही में आराजी नंबर 518 का सीमांकन सरहद्दी कृषक राजेश मिश्रा लक्ष्मी प्रसाद सेन एवंआवेदक की गैर मौजूदगी में उक्त खसरा नंबर का नाप किया गया जबकि आराजी नंबर 518 के रकवा 0. 05 हैकटेयर में नीरज रामावतार त्रिपाठी एवं रमाकांत त्रिपाठी के रकवा मैं मकान बने हुए हैं इसके अलावा कोई शेष भूमि नहीं है फिर भी स्वामी प्रसाद पांडे एवं नीरज त्रिपाठी वगैरा के कहने पर उक्त पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक द्वारा मनमाने तरीके से भूमि की नाप की गई जिसे पट वारी द्वारा लगानी भूमि बताकर रामावतार बगैर के पक्ष में भूमि बताई जा रही है पटवारी द्वारा मन माने ढंग से निस्तार की भूमि पर फर्जी व अवैध रूप से रामावतार के पक्ष में अलग से रकवा निकालकर शासकीय राजस्व रिकॉर्ड में फेर बदलकर संबंधित लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है इस प्रकार पटवारी द्वारा भेदभावपूर्ण तरीका से कार्य किया जा रहा है जिससे पटवारी हल्का में विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है आवेदक ने यह भी बताया कि पटवारी का सारा रिकॉर्ड स्वामी प्रसाद पांडे के घर में रहता है और उन्हीं के इशारे पर वह कार्य करते हैं आवेदक ने बताया कि पटवारी से जानकारी मांगने पर भी कोई जानकारी नहीं दी जाती है आवेदक ने संबंधित भ्रष्ट एवं मनमाने ढंग से कार्य करने वाले पटवारी संजय शुक्ला को तत्काल हटाने की मांग की है एवं उनके कार्यकाल की जांच कर कार्रवाई करने की भी मांग की है उन्होंने आगे बताया कि पटवारी द्वारा किसी भी किसान का काम बिना पैसा लिए नहीं किया जाता है पटवारी के कारनामों से किसान भारी परेशान है।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना एवं पवई में प्रवेश के जारी हैं पंजीयन

पन्ना। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना एवं पवई में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए पंजीयन एवं च्वाइस फिलिंग की कार्यवाही जारी है। इस संबंध में जारी समय सारिणी अनुसार आगामी एक जून तक प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन होंगे, जबकि 3 जून तक रजिस्ट्रेशन में सुधार, 5 जून तक च्वाइस फिलिंग व लॉकिंग पश्चात 6 जून से मेरिट सूची की उपलब्धता की समय सीमा निर्धारित है। इसी तरह 10 से 15 जून तक आवंटित संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश की वांछित कार्यवाही पूर्ण करना होगी। पंजीयन के लिए कक्षा 10वीं की अंकसूची, निवास, आय एवं जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाता पासबुक, पासपोर्ट फोटो, ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर आवश्यक है। एमपी ऑनलाइन कियोस्क अथवा पॉलीटेक्निक कॉलेज में भी उपस्थित होकर पंजीयन कराया जा सकता है।

आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से डेयरी व्यवसाय का सुनहरा अवसर

पन्ना। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना लागू की गई है। इस योजना में 75 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से दी जाती है। शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में देनी होती है। योजना में 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति अनुदान का भी लाभ दिया जाता है।

इस योजना के लिए पशुपालक के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने पर उसी के अनुपात में कृषि भूमि का निर्धारण किया जाता है। योजना की एक इकाई में 5 भैंस होने पर 4 लाख 25 हजार रुपए तथा 5 शंकर नस्ल की गाय होने पर 3 लाख 82 हजार रुपए एवं देशी गाय होने पर 2 लाख 43 हजार 750 रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। 10 दुधारू पशुओं के होने पर 10 भैंसों में 8 लाख 40 हजार, संकर गाय के लिए 7 लाख 51 हजार रुपए तथा 10 देशी गाय के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस योजना में सामान्य वर्ग के पशुपालक को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम एक लाख 25 हजार रुपए मार्जिन मनी सहायता के रूप में दिया जाता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को परियोजना लागत का 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख रुपए मार्जिन मनी के रूप में दिया जाता है। पशुपालन विभाग के माध्यम से प्रकरण बैंकों में भेजे जाते हैं। बैंक से प्रकरण स्वीकृत होने के बाद हितग्राही को इकाई लागत की राशि प्रदान की जाती है। इस योजना में इकाई लागत की 75 प्रतिशत राशि पर बैंक की कुल ऋण राशि में 5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अनुदान दिया जाता है। इसकी राशि अधिकतम 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष निर्धारित है।

स्वास्थ्य केंद्र सलेहा में पदस्थ डॉक्टर अजय चौधरी का नागौद स्थानांतरण

पन्ना। जिले के सालेह स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर अजय चौधरी का नागोद स्थानांतरण शासन द्वारा कर दिया गया है ज्ञात हो डॉक्टर चौधरी की लापरवाहियों को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा आए दिन शिकायती की जा रही थी जिससे उनके स्थानांतरण की मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार द्वारा स्थानांतरण कर दिया गया है।

क्लिनिक में काम करने वाली नाबालिक के साथ झोलाझाप डॉक्टर ने किया दुष्कर्म

पन्ना। जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाडीखेरा चौकी के बस स्टैंड में क्लीनिक में एक झोलाछाप डॉक्टर ने मानवता को शर्मशार करते हुए क्लिनिक में काम करने वाली 17 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। मामले की रिपोर्ट के बाद पुलिस द्वारा आरोपी शिवप्रसाद वर्मा पिता पराग वर्मा निवासी हरसौली थाना कर्वी जिला चित्रकूट को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बताया जा रहा है कि झोलाझाप डॉक्टर पिछले कुछ महीनो से बस स्टैंड में एक क्लीनिक खोलकर लोगों का इलाज करता था और उसी क्लीनिक में रह रहा था। पीड़िता

पीड़ित के पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर झोलाझाप डॉक्टर को किया गिरफ्तार

नाबालिग एक बार अपने पिता के साथ दवा कराने के लिए क्लीनिक में आई थी जहां पर झोलाझाप डॉक्टर द्वारा पीड़िता के पिता से कहा गया कि तुम्हारी पुत्री पढ़ी-लिखी है इसे वह डॉक्टरी सिखाकर काम में लगावा देगा। जिसके बाद पीडिता का पिता अपनी बेटी को झोलाछाप चिकित्सक के पास भेजने लगा और विगत दिनों झोलाझाप डॉक्टर द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता द्वारा अपने घर में जानकारी दी गई, जिसके बाद पीड़िता अपने पिता के साथ पहाड़ीखेरा चौकी पहुंचे और शिकायत के बाद महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई मामला दर्ज होने के बाद बृजपुर थाना प्रभारी महेन्द्र सिंह भदौरिया, चौकी प्रभारी पहाडीखेरा कमल सिंह अपने स्टॉफ के साथ आरोपी का पता लगाने के लिए सक्रिय हुए और मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल हुई है।

राजपूत बागरी समाज के जाति प्रमाण पत्र पर रोक लगाने युवा संघ ने सौंपा ज्ञापन

पन्ना। आनुसुचित जाति जनजाति पिछडा वर्ग युवा संघ के प्रदेष कार्यवाहक अध्यक्ष जीतेन्द्र सिहं जाटव , ओवीसी महासभा के अध्यक्ष शंकर पटैल के द्वारा गुनौर अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन दिया गया ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पन्ना ,मे बागरी कहलाने वाले व्यक्ति समान्य वर्ग के है और ये ठाकुर ,राजपूत जाति के लोग है इनका मुख्य व्यवसाय खेती है इनकी संख्या आबदी के हिसाब से काफी कम है जिन गांव मे उक्त लोग रहते है इनके पास बडी संख्या में कृषी भूमी है आजदी के पहले से इनके पास 20 से लेकर 100 एकड तक के भूस्वामी के पटे है । और आर्थीक रूप से मजबूत है इतनी तदाद मे कृषी भूमी केवल समान्य वर्ग के किसानो के

पास ही होती थी। ये लोग केवल बागरी उपनाम का फयदा उठा रहे है। अनुसूचित जाति का फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनबा कर लाभ ले रहे है। 1950 कि स्थिती मे पन्ना मे रहने वाले बागरी समाज कें लोगो को अनुसूचित जाति कि पात्रता नही है साथ ही आदिम जाति अनुषधान विभाग पद्वारा अपनी रिर्पाट मे भी माना है कि पन्ना मे रहने वाले बागरी समाज के लोग अनुसूचित जाति कि पात्रता नही रखते है ये लोग मालगुजार किसान है। मध्य प्रदेष सरकार और राज्य स्तरीय छानबीन समिती के भी स्पष्ट आदेष है। उसके बाद भी सालो से केवल आरक्षित जाति बागरी का उपनाम की समानता बस से राजपूत बागरी जाति के लोगो के जाति प्रमाण बनाए जाना असंवैधानिक है और गैर कानुनी है भारतीय संविधान के अनुच्छेद 366 (24) के अंतर्गत अनुसूचित जाति को परिभाषित किया गया है। वे जातियाँ, समुदाय और वर्ग जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं, उन्हें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 341 के अंतर्गत अनुसूचित जाति माना गया है। अनुसूचित जाति के अधिनियम, 2007 मे साफ लिखा गया है बागरी जाति के राजपूत और ठाकुर जाति के बागरी छोड कर राज्य षासन के स्पष्ट आदेष के बाद भी इन लोगो के फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाए जा रहे है जिस कारण वास्तवीक रूप अस्पष्ताऔर जाति का भेद भाग सहने वाले प्रदेष के वास्तवित अनुसूचित जाति के लोगो के अधिकारो का हनन हो रहा है गलत तरीके से जाति प्रमाण पत्र बनबा कर राजपूत बागरी समाज के लोग बडे पैमाने पर सरकारी नोकरीया पा रहे है । युवा संघ ने मांग कि है कि तत्काल राजपूत बागरी समाज के जाति प्रमाण पत्र बनाने पर रोक लगाई जाए नही तो युवा संघ बडा आंदोलन करने पर मजबूर होगा । अनुविभागिय अधिकारी गुनौर ने जानकारी दी गई कि उनके अनुविभाग में राजपूत बागरी समाज के जाति प्रमाण पत्र नही बनाए जा रहे है। ज्ञापन के दौरान भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संविदा शाला शिक्षक पद पर नियोजन के संबंध में 21 मई तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

पन्ना। जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित निर्णय एवं राज्य शिक्षा केन्द्र के प्रशासकीय अनुमोदन उपरांत अनुदेशकों का संविदा शाला शिक्षक वर्ग 3 के पद पर नियोजन की कार्यवाही की जाना है। इसके लिए गत 15 मई को जिला स्तरीय छानबीन समिति की बैठक कर विशेष प्रकरणों में अर्हताओं का परीक्षण कर अंतरिम पात्रता एवं अपात्रता सूची प्रकाशित की गई है।

डीपीसी अजय गुप्ता ने बताया कि अनंतिम पात्रता सूची के संबंध में जनसामान्य द्वारा आगामी 21 मई तक जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना में लिखित रूप से वांछित साक्ष्य व दस्तावेजों सहित दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है। इनका निराकरण जिला छानबीन समिति की आगामी बैठक में किया जाएगा। प्रकाशित सूची जिला शिक्षा केन्द्र के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। साथ ही इसे समग्र शिक्षा अभियान के व्हाट्सएप ग्रुप पर भी प्रसारित किया गया है।

तुअर उपार्जन के लिए पंजीयन अब 30 मई तक

पन्ना। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ए.पी. सुमन ने बताया कि भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत वर्तमान खरीफ विपणन वर्ष में तुअर उपार्जन पोर्टल पर फसल तुअर के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई से बढ़ाकर अब 30 मई 2025 निर्धारित की गई है।

तालाब में डूबने से दो युवकों की मौत

पन्ना। जिले के शाह नगर थाना अंतर्गत ग्राम सुगर हा में तालाब में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई है जानकारी के अनुसार घर में शादी समारोह चल रहा था इस दौरान दो लोग तालाब में नहाने गए थे इस दौरान गहरे पानी में चले गए जिसमें राकेश कुशवाहा पिता गोविंद कुशवाहा एवं लखन कुशवाहा पिता लक्ष्मण कुशवाहा 40 वर्ष की तालाब में डूबने से मौत हो गई जिसकी सूचना पुलिस को दी गई पुलिस ने घटना स्थल पहुंचकर पंचनामा बनाया तथा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों कोसौंप दिया उक्त घटना से गांव में शोक का माहौल कायम है।

डंपर ने मोटर साइकिल में मारी टक्कर, दो की मौत एक घायल

पन्ना। पन्ना पहाड़ी खेड़ा रोड पर लगातार सड़क दुर्घटना हो रही है तथा आए दिन जाने जा रही हैं इसी प्रकार का मामला सामने आया है पन्ना पहाड़ी खेड़ा रोड बिलखुरा के पास एक। तेज रफ्तार डंपर ने मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मार दी जिसमें सवार तीन लोगों में दो की घटना स्थल पर है मौत हो गई तथा एक अन्य बुरी तरह घायल हो गया जिसे जल चिकित्सालय गया तथा उसे इलाज के लिए रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है जानकारी के अनुसार रामखेलावन पिता नाथू रजक उम्र 50 वर्ष निवासी ककरहटा राजा भैया पिता श्याम लाल रजक 48 वर्ष एवं ईद उल पिता अनवर उम्र 30 वर्ष निवासी ककरहटी

मोटरसाइकिल से पन्ना की ओर आ रहे थे इस दौरान तेज रफ्तार डंपर सीजी 16 सीकी यू 32 12 के चालक के द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी जिसमें रामखेलावन रजक निवासी ककराहटा राजा भैया रजक निवासी नागौद की घटना स्थल पर मौत हो गई तथा ईद उल गंभीर घायल हुआ जिसका इलाज जिला चिकित्सालय में होने के बाद रीवा के लिए रेफर कर दिया गया है उक्त घटना से ककरहटी क्षेत्र में शोक का माहौल है ज्ञात हो पन्ना पहाड़ी खेड़ा रोड पर आए दिन सड़क दुर्घटना हो रही है।

टाइगर रिजर्व में मादा भालू की मौत

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व की गंगा यू अभ्यारण क्षेत्र की बांधी बीट में एक भालू लगभग आठ वर्ष का मृत्यु अवस्था में मिला है जिससे हड़कंप मचा हुआ है क्योंकि 2 दिन पूर्व टाइगर रिजर्व में ही एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिला था इस प्रकार से टाइगर रिजर्व के बन प्राणियों के मौतों का लगातार सिलसिला जारी है जिससे टाइगर रिजर्व के अधिकारी कर्मचारी भी सकते मे नजर आ रहे हैं क्योंकि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में वन प्राणी यो को बचाने के लिए लंबा अमला लगा हुआ है तथा प्रति माह उनका संरक्षण करने के लिए करोड़ों का बजट मध्य प्रदेश शासन वन विभाग द्वारा खर्च किया जा रहा है लेकिन इस प्रकार से वन जीबो की मौत का सिलसिला जारी रहा तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं इस संबंध में उप संचालक मोहित सूद ने बताया कि भालू की मौत किसी बीमारी से हो सकती है क्योंकि वह भालू वृद्ध भी हो चुका था।

इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना ! सड़क की प्यास बुझाने रोड पर लगा है हैंडपंप

सतना। एमपी अजब है सबसे गजब है..ये लाइनें एक बार फिर मध्यप्रदेश के मैहर से सामने आई तस्वीर को देखकर सही साबित होती दिखती हैं। ये तस्वीर इंजीनियरिंग के उस अद्भुत नमूने की है जो इंजीनियरों ने रोड बनाते वक्त पेश किया है। दरअसल मैहर में एक रोड बनाते वक्त

इंजीनियर और ठेका कंपनी हैंडपंप हटाना ही भूल गई और अब हैंडपंप रोड के बीच में सीना ताने इस तरह खड़ा है मानो रोड की प्यास बुझाता हो। जो कोई भी रोड के बीच में लगे इस हैंडपंप को देखता है हैरान रह जाता है।

मैहर जिले में रामनगर के जिगना से भैसरहा रोड का निर्माण कार्य किया गया है। लेकिन रोड बनाते वक्त सड़क निर्माण में किस तरह से लापरवाही बरती गई है इसका अंदेशा रोड के बीच सीना ताने खड़े हैंडपंप को देखकर लगाया जा सकता है। ये हैंडपंप दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है और किसी दिन किसी के लिए जानलेवा साबित भी हो सकता है। आमतौर पर सड़क चौड़ीकरण से पहले ऐसे स्थायी ढांचे या तो हटाए जाते हैं या संबंधित विभाग को सौंपे जाते हैं। लेकिन आरोप है कि यहां ऐसा नहीं किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने जिम्मेदारों से जल्द से जल्द हैंडपंप रोड से हटाने की मांग की थी लेकिन अभी तक कोई कुछ नहीं हुआ है। वहीं रामनगर के सहायक उपयंत्री मनीष मिश्रा का कहना है कि यह मामला संज्ञान में है, मैहर सीधी मार्ग में 15 से अधिक हैंडपंप सड़क निर्माण की चपेट में हैं। एमपीआरडीसी विभाग को सूचना दी गई है, विभाग द्वारा हैंडपंप का मुआवजा कार्रवाई के बाद दूसरा हैंडपंप लगाया जाएगा और रोड से हैंडपंप को हटाया जाएगा।

माधव पैरामेडिकल कॉलेज द्वारा किया गया सी बी सेन सम्मान

पन्ना। सेवा निवृत शिक्षक तथा वर्तमान में पत्रकारिता से जुड़े चंद्रभान सेन का पैरामेडिकल कॉलेज के संचालक अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा शाल श्रीफल से सम्मान किया गया संचालक श्री श्रीवास्तव का कहना है कि श्री सेन हमारे वरिष्ठ हैं इनके द्वारा समय-समय पर हमें मार्गदर्शन दिया जाता है जिसके चलते हमारी संस्था दिनों दिन प्रगति कर रही है इसलिए हमारे द्वारा इनका सम्मान किया जा रहा है श्री सेन को सम्मानित किए जाने पर सेन समाज संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी इष्ट मित्रों शुभचिंतकों साथी पत्रकारों ने बधाई दी है।

अपार आईडी का फुल फॉर्म नहीं पता? शिक्षा अफसरों को कलेक्टर ने सुनाई खरी-खरी!

सतना। सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरुवार को स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। इसमें अपार आईडी की प्रगति पर चर्चा हुई, जिसमें बताया गया कि सतना जिला प्रदेश के टॉप 15 जिलों में शामिल है। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों से अपार आईडी का फुल फार्म पूछा, लेकिन न डीईओ टीपी सिंह और न ही डीपीसी विष्णु त्रिपाठी इसका उत्तर दे सके। जब यही सवाल बीईओ और बीआरसीसी से किया गया, तो वे भी जवाब नहीं दे पाए।

तब जिला पंचायत सीईओ एवं अपर संचालक स्कूल शिक्षा संजना जैन ने स्पष्ट किया कि अपार का फुल फार्म है ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री अर्थात स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता पंजीयन। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जानकारी विभाग के हर अधिकारी को होनी चाहिए। बैठक में डाइट प्राचार्य सच्चिदानंद पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के उत्कृष्ट स्कूलों का चिन्हांकन किया जाए। 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा के 5-5 उत्कृष्ट शिक्षकों को चयनित कर उन्हें पुरस्कृत करने की योजना तैयार की जाए। कलेक्टर को बताया गया कि जिले में 63 जनशिक्षा केंद्र हैं। यहां पर कुल 121 जनशिक्षक होने चाहिए, लेकिन अभी 63 हैं। इन्हें पदस्थ हुए। साल हो गए हैं। इस पर कलेक्टर ने कहा कि इसकी प्रक्रिया पूरी करें। अभी तक क्यों लंबित रह? डीपीसी ने बताया कि प्रक्रिया दूषित हो गई थी। इस पर कलेक्टर ने कहा कि उसकी विस्तृत जानकारी दें। कलेक्टर ने शून्य एडमिशन, शून्य शिक्षक और एकल शिक्षक की जानकारी चाही, लेकिन इसका सही जवाब नहीं मिल सका। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आप लोग तैयारी से नहीं आए हैं। इस दौरान बताया गया कि अभी तबादले में यह स्थिति सुधर जाएगी। अतिशेष को शासन स्तर से ही हटाया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि बीईओ और बीआरसी छात्रावासों का भी निरीक्षण करें। आगामी सत्र शुरू होने के बाद मैं भी स्कूलों का निरीक्षण करूंगा। इस दौरान कमियां मिलने पर संकुल प्राचार्य की बजाय संबंधित बीईओ और बीआरसी के ऊपर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों को स्थानीय कल-कारखानों का भ्रमण कराएं, जिससे छात्र-छात्राएं कारखानों की कार्य प्रणाली को समझ कर प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, सोमवार 19 मई 2025 | 8

जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल मंत्री पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

लगन और परिश्रम से बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त हो जाता है : प्रभारी मंत्री

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रीवा। जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल मंत्री पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्रभारी मंत्री ने रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के ग्राम पहड़िया में सेवियर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित समारोह में स्कूल के कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची के विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हर विद्यार्थी अपने कैरियर और जीवन के लिए बड़े सपने देखता है। इन सपनों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास की आवश्यकता होती है। अपनी प्रतिभा और परिश्रम से विद्यार्थी सफलता के शिखर छू सकते हैं। लगन और परिश्रम से बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त हो जाता है। हमें जिस क्षेत्र में आगे बढ़ना है उसके लिए अभी से तैयारी करनी चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपनी प्रतिभा के अनुरूप कैरियर का चुनाव करके सभी विद्यार्थी अच्छी सफलता प्राप्त करें। भावी पीढ़ी पर ही देश और प्रदेश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी है। आपका कैरियर केवल आप के लिए ही नहीं पूरे समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

समारोह में विद्यार्थियों को सम्मान पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री ने सबसे पहले प्रदेश की मेरिट सूची में चौथा स्थान प्राप्त करने वाली अंजली शर्मा को सम्मानित किया। समारोह में वरिष्ठ नेता श्री वीरेन्द्र गुप्ता, श्री अजय सिंह, स्कूल के संचालक शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री वीडियो कान्फ्रेंसिंग से आज करेंगे समीक्षा

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 मई को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करेंगे। बैठक दोपहर 2 बजे आरंभ होगी। बैठक में कमिश्नर कार्यालय से कमिश्नर बीएस जामोद तथा कलेक्टर कार्यालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग केन्द्र से कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़े विभागों के अधिकारी शामिल होंगे।

कलेक्टर आज करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 19 मई को कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में टीएल पत्रों की समीक्षा करेंगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण, जल गंगा संवर्धन अभियान, पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदा में किसानों को देती है बीमा लाभ

रीवा। देश में खेती परंपरागत रूप से प्रकृति पर आधारित है। किसान की फसल पर पाले, अधिक वर्षा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा में हानि का सदैव खतरा रहता है। इससे किसान को सुरक्षा देने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना में बीमा कंपनियाँ बीमा की जो राशि तय करती हैं उसमें से किसान को खरीफ फसल के लिए केवल 2 प्रतिशत और रबी फसल के लिए 1.5 प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। बागवानी फसलों के लिए प्रीमियम राशि 5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। प्रीमियम की शेष राशि का 50 प्रतिशत केन्द्र सरकार तथा 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा अदा किया जाता है। फसल हानि होने पर कम से कम 25 प्रतिशत दावा राशि सीधे किसान के बैंक खाते में दी जाती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि प्रत्येक जिले में तहसीलवार, फसलवार तथा हल्कावार बीमा के प्रकरण तैयार किए जाते हैं।

ऋणी और अऋणी किसान खरीफ फसल के लिए 16 अगस्त तक तथा रबी फसल के लिए 15 सितम्बर से 16 जनवरी तक फसल बीमा योजना के आवेदन बैंकों में जमा कर सकते हैं। बैंकों द्वारा खरीफ फसल के लिए 30 सितम्बर तक तथा रबी फसल के लिए 28 फरवरी तक बीमा प्रस्ताव संबंधित बीमा कंपनी को भेजना आवश्यक होगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ फसल के लिए ऋणी किसान 15 सितम्बर तक एवं अऋणी किसान 22 अगस्त तक प्रीमियम की राशि जमा कर सकते हैं। रबी फसल के लिए ऋणी किसान 15 फरवरी एवं अऋणी किसान 22 जनवरी तक प्रीमियम राशि जमा कर सकते हैं। फसलों के पैदावार के आंकड़े के आधार पर आधुनिक तकनीक से फसल के नुकसान का आकलन किया जाता है। फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त आंकड़े स्मार्ट फोन के माध्यम से अपलोड किए जाते हैं। जल भराव होने, चक्रवात और बेमौसम बारिश होने से फसलों को हानि होने पर भी बीमा सुरक्षा का लाभ दिया जाएगा।

श्री रामानुज कैंपस के लिये भूमि आवंटन संबंधी भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश

रीवा। लक्ष्मणबाग कुतुलिया स्थिति भूमि खसरा क्रमांक 211 रकबा 2.0 हेक्टेयर, 212 रकबा 2.785 हेक्टेयर, हेक्टेयर, 208 रकबा 0.660 हेक्टेयर तथा 213 रकबा 2.708 हे. कुल रकबा 8.100 हेक्टेयर के अर्जन का आपसी सहमति से भौतिक सत्यापन कराने हेतु कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी, पीएचई, एसडीओ फॉरेस्ट तथा ज्ञानेन्द्र सिंह राजस्व निरीक्षण को निर्देशित किया गया है।

प्रभारी मंत्री ने दिवंगत श्रीश मिश्रा को दी श्रद्धांजलि

रीवा। जिले के प्रभारी मंत्री पंचायत ग्रामीण विभाग एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने उर्रहट मोहल्ले में श्रीमती अनीता मिश्रा के घर जाकर उनके पति स्वर्गीय श्रीश मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री श्री पटेल ने दिवंगत के परिजनों को सांत्वना देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता श्री वीरेन्द्र गुप्ता, श्री अजय सिंह तथा दिवंगत श्री मिश्रा के परिजन उपस्थित रहे।

मिट्टी के पोषक तत्व और गुण बताता है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

रीवा

भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड यानी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत किसान सिंचित क्षेत्र में 2.5 एकड़ तथा असिंचित क्षेत्र में 10 एकड़ क्षेत्र से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जाँच कराते हैं। यह जाँच कृषि विभाग द्वारा की जाती है। कृषि विभाग द्वारा मिट्टी के नमूने लिए जाने पर इसकी जाँच पूरी तरह से निःशुल्क रहती है। यदि किसान स्वयं सेंपल लेकर जाता है तो मिट्टी के नमूने की जाँच के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के किसान को तीन रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसान को पाँच रुपए प्रति नमूना शुल्क देना होता है। मिट्टी में माइक्रो न्यूट्रेंट की जाँच कराने के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों को 30 रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसानों को 40 रुपए शुल्क देना होता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसान को उसके खेती की मिट्टी के गुणों तथा पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि मिट्टी के पोषक तत्व के आधार पर किसान को उचित फसल की सलाह दी जाती है। मिट्टी में यदि पोषक तत्व की कमी है तो उसके अनुरूप उर्वरक के उपयोग का सुझाव दिया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसान के खेत की मिट्टी का रिपोर्ट कार्ड है। इस कार्ड में किसान का नाम, सर्वे नम्बर, खेत का रकबा आदि लिखा रहता है। प्रत्येक तीन साल में मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दर्ज कराना आवश्यक है। हर किसान अपने प्रत्येक खेत की मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड अवश्य बनवाएं। इससे सही फसल के चयन, खाद के संतुलित उपयोग और जल प्रदूषण से बचाव में सहायता मिलती है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रत्येक किसान के लिए बहुत उपयोगी है।

प्रभारी मंत्री ने दिवंगत अर्जुन सिंह चौहान के घर जाकर दी श्रद्धांजलि

रीवा। जिले के प्रभारी मंत्री पंचायत ग्रामीण विभाग एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने वरिष्ठ जनप्रतिनिधि स्वर्गीय श्री अर्जुन सिंह चौहान के हेडगेवर नगर स्थित निवास जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री श्री पटेल ने श्री अनमोल सिंह चौहान तथा परिवारजनों को सांत्वना दी एवं दिवंगत श्री चौहान के कार्यों को याद किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता श्री वीरेन्द्र गुप्ता, श्री अजय सिंह तथा दिवंगत श्री मिश्रा के परिजन उपस्थित रहे।

गर्मी से राहत पाने नदी में उतरे थे, डूबने से दो सगे भाई सहित तीन की मौत

मऊगंज। जिले के मऊगंज थाना क्षेत्र से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। रविवार को निहाई नदी में नहाने गए एक ही परिवार के तीन युवक पानी के तेज बहाव में डूब गए। यह दर्दनाक हादसा पैपखार गांव में हुआ, जहां तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गर्मी से राहत पाने के लिए युवक नहाने नदी में उतरे थे, लेकिन गहराई और तेज बहाव का अंदाज़ा नहीं लग सका। देखते ही देखते तीनों पानी में समा गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मऊगंज पुलिस की टीम पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया। तीनों युवकों की मौत से गांव में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि मृतकों में दो सगे भाई अमन तिवारी (18), अभय तिवारी (17) समेत उनके मामा का बेटा अभिषेक मिश्रा (24) शामिल है। अभिषेक मिश्रा मऊगंज के दुगोली गांव का रहने वाला था। बड़ा भाई सत्यप्रकाश मिश्रा आईआईटी की तैयारी कर रहा है। सबसे बड़ी बहन है। अभिषेक एचडीएफसी बैंक की मऊगंज ब्रांच में क्लर्क था। शनिवार को ड्यूटी के बाद बुआ के घर पैपखार आया था।

नईगढ़ी नगर परिषद के पार्षदों के त्यागपत्र पर सीएमो ने बताया फैक्ट चेक

रीवा। नगर परिषद नईगढ़ी के वार्ड क्रमांक 2, वार्ड क्रमांक 3, वार्ड क्रमांक 5, वार्ड क्रमांक 8, वार्ड क्रमांक 12, वार्ड क्रमांक 13 एवं वार्ड क्रमांक 15 के पार्षदों द्वारा सलाहकार समिति से दिए गए त्यागपत्र के संबंध में 13 मई को कुछ समाचार पत्रों तथा अन्य संचार माध्यमों में समाचार दिए गए थे। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नईगढ़ी हेमंत त्रिपाठी ने बताया कि नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 71 के प्रावधानों के तहत सलाहकार समिति अध्यक्ष नगर परिषद द्वारा 6 माह के लिए गठित की जाती है।

भलुहा में बन रहा है चंद्रिका वाचनालय

रीवा

मण्डप सांस्कृतिक शिक्षा कला केन्द्र, ग्राम भलुहा, तहसील रायपुर कर्चुलियान, जिला रीवा में चन्द्रिका वाचनालय की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है।

पुस्तकों का संग्रह कार्य चल रहा है यह जानकारी संस्था के सचिव विनोद कुमार मिश्रा ने विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर दी है। वाचनालय में भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य, सांस्कृतिक साहित्य, जनजातीय साहित्य, चित्रकला, मूर्तिकला, धर्म पर आधारित पुस्तकों के साथ ही प्रतियोगी पुस्तकें, समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं होगी। जिन्हें समय के साथ ही नवीनता देते रहने का विचार है।

चंद्रिका प्रसाद मिश्र ग्राम भलुहा के ही निवासी और जनसेवक थे आपके पुत्र मनोज और विनोद पिता की स्मृति में वाचनालय का निर्माण करवाया ही जिससे गांव में अध्ययन और स्वाध्याय के अवसर युवाओं और ग्रामवासियों को प्राप्त होंगे। वाचनालय मूर्त रूप ले रहा है वाचनालय में शांत वातावरण मिलेगा ताकि एकाग्रता के साथ पढ़ाई हेतु वातावरण अनुकूल रहे। वाचनालय सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की भावना के साथ चाही। इससे शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा साथ ही सामाजिक जागरूकता, साक्षरता और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

खुले आम मांस-मटन की बिक्री से हड़कंप, नियमों की उड़ रही धज्जियां

रीवा। शहर में नगर निगम द्वारा मीट मंडी स्थापित किए जाने के बाद भी कई स्थानों पर खुलेआम मांस और मटन की बिक्री की जा रही है। एक सप्ताह पूर्व ही शहर के सभी अधिकृत मीट व्यापारियों को फायर स्टेशन के पीछे बने मीट हाउस में स्थानांतरित किया गया था, ताकि शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखा जा सके। बावजूद इसके, कई दुकानें अब भी पुराने स्थानों पर अवैध रूप से संचालित हो रही हैं।

शहर के लकी मीट हाउस समेत कई दुकानदार प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों की बजाय रिहायशी इलाकों जैसे घोघर मोहल्ला, विश्वविद्यालय रोड, अमहिया, बिछिया और बस स्टैंड क्षेत्र में मांस की बिक्री कर रहे हैं। यह गतिविधि न केवल नगर निगम के निर्देशों के खिलाफ है, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य मानकों को भी प्रभावित करती है।

स्थानीय लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि जब अधिकांश मांस विक्रेताओं ने नई मंडी में दुकानें स्थानांतरित कर ली हैं, तब कुछ दुकानदारों को खुले में मांस बेचने की छूट क्यों दी जा रही है? घोघर मोहल्ला स्थित लकी मीट हाउस में बकरों की कटाई और मटन की खुलेआम बिक्री प्रशासन की निष्क्रियता को दर्शाती है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार खुले में मांस विक्रय को रोकने के निर्देश दे रहे हैं और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लाइसेंस निरस्त करने जैसी सख्त कार्रवाई करने की बात कह चुके हैं। इसके बावजूद नियमों का पालन न होना नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इस पूरे मामले पर नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने कहा है कि नियमों के तहत केवल निर्धारित स्थानों पर ही मांस की बिक्री की अनुमति है। जो भी दुकानदार इन नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर लंबित प्रकरणों में कार्यवाही करें : कलेक्टर मऊगंज

रीवा। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस से अधिक समय से लंबित आवेदनों का सात दिवस में निराकरण करें। इसी तरह समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित प्रकरणों का भी 20 मई से पहले अनिवार्य रूप से निराकरण करें। गत माह सभी अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में तत्परता से कार्यवाही की जिसके कारण मऊगंज जिले को आवेदनों के निराकरण में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण का लगातार प्रयास करें।

6 अवैध मैरिज गार्डनों पर नगर निगम की बड़ी कार्यवाही

बिना अनुमति चल रहे बारात घरों पर नगर निगम की ताला बंदी, निगम आयुक्त के निर्देश पर सख्त कार्यवाही जारी

रीवा। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर अनाधिकृत रूप से संचालित बारात घरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में दिनांक 18 मई को कार्यपालन यंत्री श्री राजेश सिंह के नेतृत्व में जोन क्रमांक 1 के अंतर्गत आने वाले बिना अनुमति के संचालित 6 मैरिज गार्डनों में नगर निगम प्रशासन ने ताला बंदी की कार्यवाही की। वही नियमों के उल्लंघन पर 1 मैरिज गार्डन में चलानी कार्यवाही की गई। जिनमें मनोकामना मैरिज गार्डन, ओम मंडप, रुद्राक्ष मैरिज गार्डन, दुल्हन पैलेस, जलसा गार्डन, महामृत्युंजय मैरिज गार्डन पर ताला बंदी की गई। वहीं,

आशीर्वाद मैरिज गार्डन में चालानी कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई में जोनल अधिकारी श्री राजेश सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी श्री रावेंद्र सिंह सहायक राजस्व निरीक्षक श्री वरुण रैकवार, श्री राहुल चुटेले, श्री रामनरेश मिश्रा, मुजीब खान, श्री इस्तियाक खान एवं श्री रामचंद्र तिवारी शामिल रहे। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जिससे शहर में अवैध रूप से संचालित बारात घरों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके एवं सभी बारात घर शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों का नियमानुसार पालन करें।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833